Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 13, अंक 235 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, शनिवार 15 जून 2024 www.samaydarshan.in

सार समाचार

इतालवी प्रधानमंत्री मेलोनी ने क्क्रूमोदी का नमस्ते कर स्वागत कियाबातचीत

रोम। भारत जी7 समूह का सदस्य देश नहीं है पर इटली की पीएम मेलोनी ने पीएम मोदी को खास मेहमान के रूप में आमंत्रित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों देशों के द्विपक्षीय रिश्तें काफी मजूबत हैं। मेलोनी को आज दुनिया जिस नजरिए से देख रही है। यहां तक वह रातों-रात नहीं पहुंची हैं। उनके 2022 में इतालवी प्रधानमंत्री के पद काबिज होने के बाद कई लोगों ने उनकी ब्रदर्स ऑफ इटली पार्टी के नव-फासीवादी इतिहास को लेकर फिक्र जताई थी। लेकिन मेलोनी ने अपनी विश्व छवि को संवारने में कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने अपने विरोधियों और संदेहियों को शांत ही नहीं किया बल्कि ताकतवर मुल्क अमेरिका के जो बाइडेन और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन जैसे वैश्विक नेताओं के साथ अपने रिश्ते गहरे और पक्के किए। प्रधानमंत्री मोदी ने पारंपरिक जी7 पारिवारिक फोटो से पहले वैश्विक नेताओं के साथ द्विपक्षीय बातचीत की। उम्मीद है कि पोप फ्रांसिस के साथ भी पीएम मोदी द्विपक्षीय वार्ता कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी-7 शिखर सम्मेलन से इतर अपुलिया में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस दौरान पीएम मोदी ने भारत-ब्रिटेन के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्यमंत्री साय मुंगेली के फरहदा में भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में हुए शामिल

कटघोरा-डोंगरगढ़ रेल परियोजना अंतर्गत भू-अर्जन की कार्यवाही शीघ्र होगी प्रारंभ

प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की

मुंगेली(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुंगेली जिले के ग्राम फरहदा में भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने जनप्रतिनिधियों एवं समाज के पदाधिकारियों के साथ भक्त माता कर्मा की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली एवं सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश के मुखिया श्री साय ने भक्त माता कर्मा प्राण-प्रतिष्ठा के लिए साहू समाज एवं उपस्थित सभी लोगों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा की ग्राम फरहदा में भक्त माता कर्मा मंदिर का निर्माण बिना किसी शासकीय सहयोग के सभी ग्रामवासियों ने मिलकर करवाया है। यह ग्रामवासियों के सामूहिक एकता को दर्शाता है। उन्होंने बिलासपुर लोकसभा क्षेत्र से तोखन साहू को सांसद के रूप में जिताने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रीमंडल में सांसद श्री तोखन साहू आवास एवं शहरी मामलों के केन्द्रीय राज्यमंत्री बनाया गया है, जो पूरे प्रदेश एवं इस क्षेत्र के लिए गौरव की बात है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा की हमारी सरकार विकास की दिशा में लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश के किसानों को हम 3100 रुपए प्रति क्विंटल धान की कीमत दे रहे है। महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख से अधिक महिलाओं को लाभान्वित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बिलासपुर-मुंगेली रोड से ग्राम फरहदा मार्ग जिसकी कुल लंबाई साढ़े पांच किलोमीटर है, बजट में इसे स्वीकृत किया गया है, जल्द ही इसका कार्य प्रारंभ किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि कटघोरा-डोंगरगढ़ विशेष रेल परियोजना के लिए राज्य शासन द्वारा 300 करोड़ रूपए दिया जा चुका है। शीघ्र ही भू-अर्जन की कार्यवाही प्रारंभ की जाएगी। इस परियोजना अंतर्गत मुंगेली जिला में 38.02 किलोमीटर रेल लाईन गुजरेगी। जिससे इस क्षेत्र के लोग भी आने वाले समय में रेल सेवा से लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि हमारी सरकार विकास के लिए समर्पित है। आज जिलेवासियों के लिए 25 करोड़ रूपए से अधिक की राशि के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया जा रहा है। प्रदेश सरकार पानी, बिजली, आवास सहित विकास के सभी आयामों पर बेहतर तरीके से कार्य कर रही है। कार्यक्रम में वाणिज्य, उद्योग, श्रम एवं जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवागंन ने धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन में अतिथियों को मोमेंटो, शाल व श्रीफल प्रदान किया गया। इस अवसर पर मुंगेली विधायक पुन्नूलाल मोहले, बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक, बिलासपुर विधायक अमर अग्रवाल, तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह, बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला, विधायक रायपुर मोतीलाल साहू, बिलासपुर आईजी संजीव शुक्ला, कलेक्टर राहुल देव आदि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय ने की विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने जल संसाधन विभाग, लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा विभाग से संबंधित लगभग 25 करोड़ से अधिक की राशि के 19 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इसके साथ ही उन्होंने ग्राम फरहदा में साहू समाज के सामुदायिक भवन के लिए 25 लाख रुपए, आदिवासी एवं सतनामी समाज के सामुदायिक भवन के लिए 6-6 लाख रुपए देने की घोषणा की। इसी प्रकार ग्राम फरहदा में शासकीय हाई स्कूल को हायर सेकेंडरी स्कूल के रूप में उन्नयन और ग्राम भालापुर से अचानकपुर तक और हरियरपुर से टेढ़ाधौंरा तक सड़क नवीनीकरण कार्य के लिए भी घोषणा की।

मई में थोक महंगाई दर 15 महीने के उच्च स्तर 2.61 प्रतिशत पर पहुंची

खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ने का असर

नई दिल्ली (समय दर्शन)। मई में देश की थोक महंगाई दर 15 महीने के उच्च स्तर 2.61 फीसदी पर पहुंच गई। अप्रैल महीने में यह 1.26 फीसदी थी। थोक खाद्य मुद्रास्फीति मई में बढ़कर 7.4 प्रतिशत हो गई, जो अप्रैल में 5.5 प्रतिशत और मई 2023 में 4.82 प्रतिशत थी। मई में मासिक आधार पर थोक कीमतों में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

खाद्य वस्तुओं विशेषकर सब्जियों और विनिर्मित वस्तुओं के दाम बढ़ने से थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में लगातार तीसरे महीने बढ़कर 2.61 प्रतिशत पर पहुंच गई। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित मुद्रास्फीति इससे पिछले महीने 1.26 प्रतिशत थी। मई 2023 में यह (-) 3.61 प्रतिशत थी।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, मई, 2024 में मुद्रास्फीति की सकारात्मक दर मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों, खाद्य उत्पादों के निर्माण, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, खनिज तेलों, अन्य विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण है।

आंकड़ों के अनुसार खाद्य वस्तुओं की मुद्रास्फीति मई में 9.82 प्रतिशत बढ़ी जबकि अप्रैल में यह 7.74 प्रतिशत थी। सब्जियों की मुद्रास्फीति मई में 32.42 प्रतिशत रही जो इससे पूर्व महीने में 23.60 प्रतिशत थी। प्याज की मुद्रास्फीति 58 दशमलव शून्य पांच प्रतिशत और आलू की मुद्रास्फीति 64 दशमलव शून्य पांच प्रतिशत रही। मई में दालों की महंगाई दर 21 दशमलव नौ-पांच प्रतिशत बढ़ी। ईंधन और बिजली बास्केट में मुद्रास्फीति 1.35 प्रतिशत रही, जो अप्रैल की 1.38 प्रतिशत की मुद्रास्फीति से थोड़ी कम है। विनिर्मित उत्पादों की मुद्रास्फीति अप्रैल में (-) 0.42 प्रतिशत से बढ़कर 0.78 प्रतिशत हो गई।

मई के थोक मूल्य सूचकांक में वृद्धि इस महीने के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़ों के विपरीत है। भारतीय रिजर्व बैंक मौद्रिक नीति तैयार करते समय मुख्य रूप से खुदरा मुद्रास्फीति को ध्यान में रखता है। इस सप्ताह की शुरुआत में जारी आंकड़ों के अनुसार मई में खुदरा मुद्रास्फीति एक साल के निचले स्तर 4.75 प्रतिशत पर आ गई।

छत्तीसगढ़ में ग्रीष्मकालीन अवकाश 25 जून तक बढ़ाने की मांग

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य में भीषण गर्मी के मौसम के चलते पारा 40 डिग्री से कम नहीं हो रहा है। इस तरह की उच्च तापमान के बीच 18 जून से स्कूल खुलने की योजना ने राज्य में चिंता बढ़ा दी है। उत्तरप्रदेश की तरह, छत्तीसगढ़ में भी स्कूलों को 25 जून तक बंद रखने की मांग उठाई जा रही है। ग्रीष्मकालीन अवकाश को बढ़ाने से छात्रों और शिक्षकों की सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। गर्मी के कारण छत्तीसगढ़ में बढ़ती गर्मी के मौसम के दौरान छात्रों की स्वास्थ्य और कल्याण की देखभाल के लिए सरकार को उचित कदम उठाने की आवश्यकता है। छत्तीसगढ़ सरकार इस मुद्दे पर गंभीरता से ध्यान देने की उम्मीद है और शीघ्र निर्णय लेने की अपील की जा रही है। गर्मी के मौसम में छात्रों की सुरक्षा और भलाई के लिए सही कदम उठाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। ग्रीष्मकालीन अवकाश को बढ़ाने के मामले में छत्तीसगढ़ सरकार की पहल का समर्थन करने वाले अनेक स्थानीय शिक्षा संगठनों और छात्र एवं अभिभावक संगठनों ने भी इस मामले में अपनी आवाज उठाई है। पालकों ने उम्मीद जताई है कि सरकार जल्द से जल्द इस मुद्दे पर निर्णय लेकर छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी।

राम मंदिर को उड़ाने की धमकी के बाद बढ़ाई गई अयोध्या की सुरक्षा, एसएसपी ने किया निरीक्षण

अयोध्या(एजेंसी)। आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद की ओर से राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दिए जाने के बाद अयोध्या अलर्ट मोड पर आ गई है। राम मंदिर में निगरानी बढ़ा दी गई है। राम मंदिर समेत महत्वपूर्ण स्थलों की सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट की भी सुरक्षा में इजाफा किया गया है।

एसएसपी राजकरण नय्यर ने शुक्रवार को महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि अयोध्या धाम की सुरक्षा पहले से ही कड़ी है। यहां की सुरक्षा व्यवस्था को विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित करते हुए सीनियर राजपत्रित अधिकारी के नेतृत्व में टीमों का गठन किया गया है। विभिन्न जोन में सुरक्षाकर्मी पहले से ही तैनात हैं।

जिला पुलिस के अलावा पीएसी की भी कई कंपनियां प्राप्त हुई हैं। पीएसी को लगाकर सुरक्षा की जा रही है। महत्वपूर्ण स्थलों की भी सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी 24 घंटे की जाती है। पूरे क्षेत्र को सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से देखा जाता है, जो भी रियल टाइम इनपुट जनरेट होते हैं, उसको लेकर ग्राउंड पर लगे हुए लोगों को तत्काल कंट्रोल रूम से सूचित किया जाता है। उसी के हिसाब से कार्रवाई की जाती है। वहीं, रामजन्मभूमि परिसर में तैनात अधिकारियों व सुरक्षाकर्मियों को अलर्ट मोड पर कर दिया गया है।

कुवैत अग्निकांड: मृतकों के शव लेकर कोच्चि एयरपोर्ट पर उतरा सुपर हरक्युलिस

आग ने ले ली थी 45 भारतीयों की जान

दुबई/कुवैत सिटी/नई दिल्ली (एजेंसी)। कुवैत में दो दिन पहले हुए अग्निकांड में मारे गए भारतीयों के पार्थिव शरीर लेकर आया भारतीय वायु सेना का विमान शुक्रवार सुबह कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। दूतावास ने बताया कि विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह भी उसी विमान से वापस आए। वायु सेना के सी-130जे परिवहन विमान से 31 भारतीयों के पार्थिव शरीर को यहां उतारा गया। यहां से शवों को उनके गृह नगर तक पहुंचाया जाएगा। घटना में मारे गए मारे गए 31 लोगों में से केरल के 23, तमिलनाडु के सात और कर्नाटक का एक व्यक्ति शामिल है।

अधिकारियों ने बताया कि दक्षिणी कुवैत के मंगाफ क्षेत्र में सात मंजिला इमारत के रसोईघर में भीषण आग लगने से 49 विदेशी मजदूरों की मौत हुई थी और 50 अन्य घायल हुए थे। इनमें से 45 भारतीय थे और शेष पाकिस्तान, फिलिपीन, मिस्र और नेपाल के नागरिक थे। इमारत में 195 प्रवासी मजदूर रहते थे।

मृतकों के शवों को लेकर आया सुपर हरक्युलिस

इससे पहले वायुसेना का सुपर हरक्युलिस विमान कुवैत से 45 शवों को लेकर रवाना हुआ था। पहले यह विमान केरल के कोच्चि में उतरा, क्योंकि ज्यादातर मृतक वहीं के थे। इसके बाद विमान दिल्ली आया। यहां से शव संबंधित राज्यों में भेजे जाएंगे।

केरल सरकार ने परिजनों को 5-5 लाख रुपये की मदद की घोषणा की है। इस बीच, भारत के विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह कुवैत पहुंच गए हैं। वहां उन्होंने घायलों से मुलाकात की है। सिंह स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर शवों को भारत लाने के प्रयास में जुटे हैं। वहीं, कुवैत प्रशासन ने शवों की पहचान स्थापित करने के बाद वादा किया कि वह हादसे की त्वरित जांच करेगा और शवों को वापस भेजने में पूरी मदद करेगा। पता चला है कि इमारत में 196 श्रमिक रखे गए थे। एक दिन पहले यह संख्या 160 बताई गई थी।

अब तक 48 शवों की हुई पहचान

यूपी के मृतकों की पहचान वाराणसी के माधव सिंह, गोरखपुर के जयराम गुप्ता और अंगद गुप्ता के रूप में हुई है। वहीं, आंध्र प्रदेश के मृतकों में श्रीकाकुलम जिले के टी लोकानंदम, पश्चिम गोदावरी जिले के एम सत्यनारायण और एम ईश्वरुडु की पहचान की गई है। अरब टाइम्स ने कुवैत के प्रथम उप प्रधानमंत्री शेख फहद अल-यूसुफअल-यूसुफके हवाले से बताया कि अधिकारियों ने अब तक 48 शवों की पहचान की है। कुवैत के दक्षिणी शहर मंगाफमें सात मंजिला इमारत में हुए हादसे में 49 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 50 से अधिक घायल हुए हैं।

भारतीय सेना को मिला पहला आत्मघाती ड्रोन, 30 किमी रेंज

2 किलो विस्फोटक लेकर उड़ सकता है; पाकिस्तान-चीन बॉर्डर पर तैनाती होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन आर्मी को भारत में बने आत्मघाती ड्रोन नागस्त्र-1 की पहली खेप मिल गई है। इन ड्रोन्स को नागपुर की कंपनी सोलर इंडस्ट्रीज की इकोनॉमिक्स एक्सप्लोसिव लिमिटेड यूनिट ने बनाया है। सेना ने 480 लॉइटरिंग म्यूनिशन (आत्मघाती ड्रोन) का ऑर्डर दिया था। इनमें से 120 की डिलीवरी कर दी गई है।

ड्रोन को नागस्त्र-1 नाम दिया गया है, जिसकी रेंज 30 किमी तक है। इसका एडवांस वर्जन दो किलो से ज्यादा गोला-बारूद ले जाने में सक्षम है। इसका इस्तेमाल दुश्मनों के ट्रेनिंग कैंप, ठिकानों और लॉन्च पैड पर हमला करने के लिए किया जाएगा, ताकि सैनिकों का जोखिम कम से कम हो।

लॉइटरिंग म्यूनिशन (जिसे आत्मघाती ड्रोन या कामिकेज ड्रोन भी कहा जाता है) एक एरियल वैपन सिस्टम है। ये ड्रोन हवा में टारगेट के आसपास घूमते हैं और आत्मघाती हमला करते हैं।

सटीक हमला इसके सेंसर पर निर्भर करता है। आत्मघाती ड्रोन को साइलेंट मोड में और 1,200 मीटर की ऊंचाई पर ऑपरेट किया जाता है, जिससे इसे पहचानना मुश्किल हो जाता है। इसका वजन 12 किलोग्राम है और यह 2 किलो का वारहेड ले जा सकता है। ये ड्रोन एक उड़ान में 60 मिनट तक हवा में रह सकते हैं। अगर टारगेट न मिले तो यह वापस भी आ जाएगा। पैराशूट के जरिए इसकी सॉफ्ट लैंडिंग करा सकते हैं।

अमेरिका से आएंगे 31 एमक्यू-9बी ड्रोन्स, चार महीने पहले डील हुई थी

चार महीने पहले अमेरिका ने भारत को 31 एमक्यू-9बी ड्रोन्स देने का फैसला किया था। इनकी कीमत करीब 3.99 अरब डॉलर (करीब 33 हजार करोड़) है। इन ड्रोन्स को चीन के साथ लगने वाली लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल और भारत की समुद्री सीमा में सर्विलांस और सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। यह ड्रोन करीब 35 घंटे हवा में रह सकता है। यह पूरी तरह से रिमोट कंट्रोल से ऑपरेट होता है। पिछले साल जून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान इस डील का ऐलान किया गया था।

भारत थल, जल और वायु तीनों सेना के बेड़े में एमक्यू-9बी ड्रोन को तैनात करना चाहता है। इस ड्रोन को बनाने वाली कंपनी जनरल एटॉमिक्स, इसके मल्टीटैलेंटेड होने का दावा करती है।

प्रश्न-पत्र लीक समेत अन्य गड़बड़ियों के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग; केंद्र- एनटीए को 'सुप्रीम' नोटिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी को नोटिस जारी किया। नोटिस राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक, 2024 में प्रश्नपत्र लीक और अन्य गड़बड़ियों के आरोपों की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका को लेकर जारी किया गया है।

इसके अलावा कोर्ट ने याचिकाओं को अलग-अलग हाईकोर्ट से शीर्ष अदालत में हस्तांतरित करने की मांग वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी की याचिका पर भी सभी पक्षों को नोटिस जारी किया है। याचिका पर 8 जुलाई को सुनवाई की जाएगी।

जस्टिस विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की अवकाश पीठ ने मामले की सुनवाई की। इस दौरान राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के वकील की इस दलील पर गौर किया कि प्रश्नपत्र लीक होने और अन्य गड़बड़ियों के आरोपों के आधार पर नीट-यूजी को रद्द करने की मांग करने वाली कई याचिकाएं कई उच्च न्यायालयों में लंबित हैं।

पीठ ने कहा कि हम नोटिस जारी कर रहे हैं। इन पर 8 जुलाई को सुनवाई होगी। इस बीच एनटीए ने कहा कि वह तीन अन्य याचिकाओं को वापस लेना चाहता है, जो उच्च न्यायालयों से मामलों को शीर्ष अदालत में स्थानांतरित करने की मांग कर रही थीं, क्योंकि वे 5 मई को परीक्षा के दौरान समय की बर्बादी के कारण 1,563 उम्मीदवारों को अनुग्रह अंक देने से संबंधित थीं।

एनटीए के वकील ने कहा कि अब मामला सुलझ गया है और वह 1,536 उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क्स रद्द करने के फैसले और शीर्ष अदालत के 13 जून के आदेश के बारे में उच्च न्यायालय को सूचित करेंगे। हृश्वश्वज्ञ-त्न परीक्षा को लेकर चल रहे विवाद के बीच केंद्र और हृज्ञ ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उन्होंने स्क्क्र और ऐसे अन्य पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए परीक्षा देने वाले 1,563 उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क्स रद्द कर दिए हैं।

केंद्र ने कहा था कि उनके पास या तो दोबारा परीक्षा देने या ग्रेस मार्क्स को छोड़ने का विकल्प होगा। यह परीक्षा 5 मई को 4,750 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। इसमें लगभग 24 लाख उम्मीदवारों ने भाग लिया था। परिणाम 14 जून को घोषित होने थे, लेकिन समय से पहले जांच की वजह से इसे 4 जून को घोषित कर दिया गया था। इसके बाद विवाद शुरू हुआ।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग की ली समीक्षा बैठक

पोषण निवेश अभियान के तहत फलदार पौधे लगाने के लिए करें प्रेरित

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल ने आज जिला कार्यालय के सभा कक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों और महिला सेक्टर सुपरवाइजर के साथ समीक्षा बैठक की।कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं सेवाओं और कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि महिलाओं किशोरी बालिकाओं और बच्चे के विकास के लिए महिला बाल विकास विभाग का दायित्व जवाबदेही पूर्वक निर्वहन करना होता है।इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रीता यादव,जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने पोषण निवेश अभियान के तहत सभी नवविवाहित महिलाओ गर्भवती और शिशुवती माताओं को पांच-पांच फलदार पौधे अपने-अपने आॅगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं घर के बाड़ियों में रोपण के लिए प्रेरित करने को कहा। जिससे कि आने वाली पीढ़ियों के बच्चों को उनके शरीरिक स्वास्थ्य के लिए उन्हें फल मिल सके।उन्होंने कहा कि लगाये गये पौधों को विशेष रूप से ध्यान रखते हुए बड़ा करें।उन्होंने जिले के सभी आंगनबाड़ी सहायिकाओं को आॅगनबाड़ी केन्द्रों पर जल्दी फल लगने वाले पौधे लगाने के निर्देश दिये।समीक्षा के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ता,सहायिका,मिनी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के पदों पर भर्ती प्रक्रिया की परियोजना वार जानकारी ली और भर्ती प्रक्रिया समय अवधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए।उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का कार्य में कुशलता के लिए उनको अच्छे से जानकारी दे। उन्होंने उपस्थित महिला सुपरवाइजरों से कहां की पोषण ट्रैकर ऐप में डेटा प्रविष्टि में गलतियां ना करें। सही जानकारी प्रविष्टि करें एवं बच्चों के रेडी टू ईट वितरण की एंट्री करने के निर्देश दिए।कलेक्टर ने कहा कि सभी पर्यवेक्षक,एएनएम,मितानिन,बीएमओ और परियोजना अधिकारी बैठक कर गर्भवती महिलाओं एवं शिशुवती माताओं एवं एनीमिक महिलाओं के स्वास्थ्य पर योजना बनाकर कार्य करें।उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री बाल संदर्भ योजना,मिशन वात्सल्य योजना,बेटी बचाव-बेटी पढ़ाओं,सुकन्या समृद्धि योजना,पोषण पुनर्वास केन्द्र, नोनी सुरक्षा योजना,प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं कन्या विवाह योजनाओं का लाभ सभी पात्र महिलाओं व हितग्राहियों को देना सुनिश्चित करें।कलेक्टर ने जल जीवन मिशन तहत आॅगनबाड़ी केन्द्रों में रनिंग वॉटर की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। बैठक में उन्होंने विभाग द्वारा संचालित महतारी वंदन योजना की समीक्षा कर प्राप्त राशि के उपयोग सुनिश्चित करने एवं योजना से लाभान्वित करने एवं इस योजना से संबंधित जानकारी गांवों में देने को कहा।उन्होंने भी सेक्टर सुपरवाइजर को क्षेत्र में सतत भ्रमण कर अपने कार्यो को जिम्मेदारी पूर्वक करने को कहा। उन्होंने जिले में बाल विवाह रोकने के लिए लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिये। इस दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले सुपरवाईजर व पर्यवेक्षक को सम्मानित किया गया।

विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदाताओं ने दिखाया उत्साह, महापौर धीरज बाकलीवाल ने बढ़ाया हौसला

दुर्ग (समय दर्शन)। 14 जून विश्व रक्तदाता दिवस शुक्रवार को मनाया गया। इस अवसर पर जिला अस्पताल समेत अन्य निजी अस्पतालों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया और रक्तदाताओं का सम्मान कर उनका हौसला भी बढ़ाया गया।जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में विश्व रक्तदाता दिवस पर रक्तदान के लिए रक्तदाता बड़ी संख्या में जुटे।

उन्होने बारी-बारी से रक्तदान कर महादान का संदेश दिया और सभी से रक्तदान करने की अपील की।इस दौरान पूर्व विधायक अरुण वोरा, महापौर धीरज बाकलीवाल, रत्ना नारमदेव, जिला अस्पताल जीवनदीप समिति के सदस्य दिलीप ठाकुर,सदस्य प्रशांत डोनगावकर, दुष्यंत देवांगन,विकास यादव के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि जिला अस्पताल के ब्लड बैंक पहुंचे और उन्होने रक्तदाताओं की हौसलाफजाई की।रक्तदान शिविर में ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. पीके अग्रवाल के अलावा अन्य स्टॉफने सेवाएं दी।मालूम हो कि विश्व रक्तदाता दिवस पर कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी द्वारा जिले के सभी नागरिकों से अपनी स्वेच्छा अनुरूप रक्तदान करने की अपील की गई थी, ताकि रक्तदान से कई लोगों की जान बचाई जा सके।

उन्होने कहा था कि भारत में सालाना 01 करोड़ युनिट रक्त की आवश्यकता पड़ती है, लेकिन उसकी उपलब्धता 75 लाख युनिट है। 25 लाख युनिट ब्लड की कमी से हर साल सैकड़ों लोगों की जान चली जाती है। ब्लड डोनेट करके न सिर्फ आप दूसरों की जान बचा सकते है, बल्कि अपने स्वास्थ्य को सुधार भी कर सकते है। आपके 01 युनिट रक्तदान से जरूरतमंद किसी एक व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है।

जिला प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्यवाही, अवैध रेत उत्खनन व परिवहन के मामले में 07 ट्रैक्टर-ट्राली जब्त

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर से राहुल देव के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन करने वालों पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में 13 जून को पथरिया विकासखंड के ग्राम मदकू में राजस्व, खनिज एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के मामले में ताबड़तोड़ कार्यवाही की गई। जिसमें 07 ट्रैक्टर-ट्राली को मौके पर जब्त कर थाना सरगांव के सुपुर्द किया गया। उक्त प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। एसडीएम पथरिया श्री बी. आर. ठाकुर ने बताया कि ग्राम मदकू में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की जानकारी मिलने पर संयुक्त टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर कार्यवाही की गई है। यह कार्यवाही पूरे रातभर चली। जिसमें दो ट्रैक्टर-ट्राली के साथ चार ट्रॉली एवं एक ट्रैक्टर लावारिस हालत में पाया गया, जिसे जप्त कर थाना सरगांव के सुपुर्द किया गया है। जिला खनिज अधिकारी श्रीमति ज्योति मिश्रा ने बताया कि उपरोक्त प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि खनिज के अवैध उत्खनन एवं परिवहन की जानकारी मिलने पर आगे भी नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

निगम भिलाई क्षेत्र में मच्छर उन्मूलन हेतु चलाया जन जागरूकता अभियान

भिलाईनगर(समय दर्शन)। कलेक्टर महोदया के आदेशानुसार निगम आयुक्त के मार्गदर्शन में आगामी वर्षाऋतु के आमगन को ध्यान में रखते हुए वार्ड 41 औधोगिक क्षेत्र छावनी के आदिवासी मोहल्ला, श्रमिक बस्तीयों में मच्छर उन्मूलन एवं जलजनित मौसमी बिमारियो से बचाव हेतु जन जागरूकता अभियान चलाया गया।

आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने अधिकारी कर्मचारियो को निर्देश देते हुए बताया है कि आगामी वर्षाऋतु आमगन पर है इसे ध्यान में रखते हुए निचली बस्तीयों एवं जल भराव वाले क्षेत्रो का निरीक्षण कर बरसाती पानी जमा होने से एवं पानी से फैलने वाले जलजनित बिमारियो से बचने मच्छर उन्मूलन की रोकथाम हेतु भिलाई निगम क्षेत्र में जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। नागरिक अपने घरो के कुलर, पुराने टायर, टंकी, ड्रम, पुराने मटके इत्यादि को खाली रखे एवं आस पास की सफाई करते रहे। चुकिं साफ पानी में ही मच्छरों का प्रजनन होने से अण्डा देता है जिससे लार्वा बनता है और उल्टी, दस्त, पीलिया, डायरिया जैसे बिमारियां फैलते है। आयुक्त ने नागरिको से अपील की है कि बरसात के दिनों में होने वाले मौसमी बिमारियों से अपने एवं अपने परिवारजनो को बचाये साथ ही मैलाथियान दवाई एवं जला आईल का छिड़काव भी करे। जागरूकता अभियान के तहत वरिष्ठ स्वच्छता निरीक्षक के.के.सिंह शहरी परिवार कल्याण केन्द्र सुपेला से विजय सेजुला, एस.के.दिल्लीवार, मनोज साहू, जिला मलेरिया विभाग से राजकुमार भसकोलो, उमेश कपूर, मितानीन शोभा शाह के साथ निगम के जोन स्वास्थ्य अमला लगातार शामिल है यह जागरूकता अभियान शतत रूप से चल रहा है सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है।

मैनपुर के राजापड़ाव, शोभा क्षेत्रवासियों की समस्याओं एवं मांगों का होगा समाधान

कलेक्टर अग्रवाल ने अधिकारियों की बैठक लेकर समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्ययोजना बनाने के दिये निर्देश

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने मैनपुर विकासखण्ड के दूरस्थ वनांचल इलाका राजापड़ाव एवं शोभा क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों का समाधान करने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये है।

कलेक्टर ने कलेक्टोरेट सभाकक्ष में विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों की बैठक लेकर राजापड़ाव,शोभा क्षेत्र के ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं एवं आवश्यकताओं पर गहन चर्चा की।उन्होंने विभागवार एवं गांववार प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए लेगां को सड़क, बिजली, पानी, आवास, संचार एवं स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने सुविधाओं की विशेष कार्य योजना बनाकर समयबद्ध तरीके से उन्हें पूरा करने के भी निर्देश दिये। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने सुविधाओं को पूर्ण करने के लिए किये जाने वाले कार्यवाहियों की नियमित रूप से प्रतिवेदन भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिये।बैठक में कलेक्टर ने दूरस्थ क्षेत्रों के गांवों में आंगनबाड़ी, स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र, एम्बुलेंस, सड़क, नलजल कनेक्शन आदि मूलभूत सुविधाओं की वर्तमान उपलब्धता एवं ग्रामीणों द्वारा मांग किये गए सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली।

साथ ही नदी-नालों पर पुल पुलियों की आवश्यकताओं पर भी चर्चा कर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तेजी से कार्यवाही करने के निर्देश दिये।इस दौरान बैठक में उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उप निदेशक वरूण जैन, संयुक्त कलेक्टर नवीन भगत,एसडीएम मैनपुर सहित पीडब्ल्यूडी,पीएचई,आरईएस,पीएमजीएसवाय एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बैठक में राजपड़ाव व शोभा क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव कोयबा, साहेबिन कछार, गोना, कोकड़ी, भूतबेड़ा, अड़गड़ी, कुचेंगा, गरहाडीह, गौरगांव, शोभा, तौरेंगा, आमड़, जागंड़ा, कोदोमाली, नागेश एवं इंदागांव जैसे दूरस्थ गांवों में सुविधाओं के मांग के लिए प्राप्त आवेदनों की विस्तार से समीक्षा की।उन्होंने आवश्यकतानुसार 102 महतारी एम्बुलेंस, स्वास्थ्यकर्मी एवं स्वास्थ्य संसाधनों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिये।

छत्तीसगढ़ के विभिन्न उद्योगों के सी एस आर प्रतिनिधियों के साथ एचआईवी/एड्स पर संवेदीकरण बैठक आयोजित

भिलाई (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण समिति द्वारा 13 जून 2024 को नवीन स्वास्थ्य भवन सेक्टर 19, स्वास्थ्य संचालनालय (छ.ग.शासन), नवा रायपुर, अटल नगर में एचआईवी/एड्स पर संवेदनशीलता एवं जागरूकता में वृद्धि के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के विभिन्न उद्योगों के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सी एस आर) प्रतिनिधियों के साथ एक संवेदीकरण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में एचआईवी/एड्स (रोकथाम एवं नियंत्रण) अधिनियम 2017 पर विशेष चर्चा की गई।

इस बैठक में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. त्रिनाथ दास, अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ. एनएस ठाकुर एवं उप प्रबंधक (सीएसआर) श्री के के वर्मा ने भाग लिया। बैठक में एचआईवी/एड्स जागरूकता पर विभिन्न संगठनोंध्उद्योगों द्वारा प्रस्तुतीकरण दिए गये, जिसमें सामाजिक स्तर पर एचआईवी/एड्स के रोकथाम और नियंत्रण की दिशा में उनके द्वारा किए गए विभिन्न प्रयासों एवं गतिविधियों पर प्रकाश डाला गया।

दोहरी प्रशासनिक व्यवस्था से संचालित बिलासपुर का केंद्रीय जेल

जो चाहोगे मिलेगा यहां सर्व सुविधा

बिलासपुर(समय दर्शन)। बिलासपुर केंद्रीय जेल में बंद विचाराधीन और सजायाफ्ता दोनों श्रेणी के बंद कैदियों को इन दिनों होटल जैसी सुविधाएं प्राप्त हो रही है। जेल परिसर के अंदर लगी हुई इस सूची से ऐसा लगता है कि अंदर जो भी बंद है उसे उसके परिजन मुलाकात के समय इतनी चीजें उल्लेखित निर्धारित मात्रा में दे सकते हैं। इस सूची के संदर्भ में खोमेश मंडावी जेल अधीक्षक ने कहा कि ऐसी कोई भी सूची वैध नहीं है। जेल की दीवार से सटी हुई एक कैंटीन है इस कैंटीन में विचाराधीन बंदी काम करते हैं और यहां का नाश्ता बड़ा स्वादिष्ट है यदि अंदर बंद कैदियों के लिए मुलाकात के समय इतनी सामग्रियां ले जाना वैध है तो इस व्यवसाय को जेल प्रशासन स्वयं क्यों नहीं चलाते। केंद्रीय जेल के सामने रोड के उस तरफ केवल दो दुकानों से सामान क्रय किया गया समान ही जेल के भीतर जा सकता है। बाजार का सामान्य ग्राहक इन दो दुकानों का ग्राहक नहीं है। इन्हें दो दुकानों के ग्राहक वे परिजन है जिनके संबंधी केंद्रीय जेल में किन्हीं कारणों से बंद है। इस दुकान में बाजार मूल्य से दो गुने दाम पर सामान मिलता है। बिलासपुर केंद्रीय जेल के बोर्ड पर किसी भी दिन यह स्लोगन लिखा जा सकता है, घर से दूर घर जैसी सुविधा हम होटल से भी बेहतर स्टार फैसिलिटी प्रदान करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

वन मंडल कवर्धा कौशल विकास एवं रोजगार मूलक कार्यों का प्रशिक्षण दे रहा

कवर्धा (समय दर्शन)। वन मंडल कवर्धा के वन परिक्षेत्र सहसपुर लोहारा के ग्राम जुनवानी में संयुक्त वन प्रबंधन के अंतर्गत वनांचल क्षेत्र में निवास करने वाले युवाओं को रोजगार के नए साधन, कौशल, शिक्षा को सृजित करने तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से वन मंडल कवर्धा के वन मंडल अधिकारी शशि कुमार के मार्गदर्शन में दो पहिया वाहन रिपेयरिंग प्रशिक्षण व महिला सिलाई एवं मेकरम प्रशिक्षण कैंप का शुभारंभ किया गया।

प्रशिक्षण के पहले दिन दो पहिया वाहन प्रशिक्षण में 30 युवाओं ने और सिलाई कढ़ाई एवं मेकरम वर्क प्रशिक्षण में 30 युवतियों ने पंजीयन कराया। वन मंडल के इस प्रयास के प्रति ग्रामीण वनांचल के युवाओं में कौशल उन्नयन हेतु खासा रुझान दिखाई दे रहा है।

युवाओं को प्रशिक्षण देने का कार्य अग्रणी स्किल डेवलपमेंट सोसाइटी सिवनी द्वारा किया जा रहा है। अग्रणी स्किल डेवलपमेंट सोसाइटी सिवनी के फाउंडर अनुज सक्सेना ने बताया कि उनकी टीम न केवल युवाओं को प्रशिक्षण देने का कार्य करेगी अपितु उनके अच्छे प्लेसमेंट हेतु भी प्रयास करेगी। वन मंडल कवर्धा के इस प्रयास से कौशल प्राप्त युवाओं को स्वयं का रोजगार उत्पन्न करने में सहायता होगी एवं वे आत्मनिर्भर बन पाएंगे।

गांव शहर सभी जगह मनाया जायेगा योग दिवस, बहतराई स्टेडियम में होगा योग का जिला स्तरीय समारोह

बिलासपुर (समय दर्शन)। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जिला स्तरीय सामूहिक योगाभ्यास का कार्यक्रम स्व.बी आर यादव स्मृति राज्य स्तरीय खेल परिसर बहतराई स्टेडियम में सवेरे 7 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम की सफलता के लिए जिला कलेक्टर श्री अवनीश शरण ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जिम्मेदारी सौंपी है।

विभिन्न अधिकारियों को सौंपे गये दायित्व के तहत मंच, टेंट एवं योग स्थल पर आवश्यक बैठक व्यवस्था की जिम्मेदारी लोक निर्माण विभाग को दी गई है। इसी प्रकार साफ-सफाई, पेयजल, साउंड सिस्टम एवं प्रोजक्टर की जिम्मेदारी आयुक्त नगर निगम, विद्युत व्यवस्था एवं जनरेटर लोक निर्माण विभाग, मंच संचालन एवं योग आयुष एवं जिला शिक्षा अधिकारी, छात्र-छात्राओं सहित सहभागियों की उपस्थिति शिक्षा विभाग, वाहन व्यवस्था परिवहन विभाग, प्रचार-प्रसार एवं फोटो वीडियोग्राफी जनसंपर्क विभाग, यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी, पुलिस विभाग, प्राथमिक चिकित्सा का दायित्व स्वास्थ्य विभाग, पुष्प गुच्छ एवं माला उद्यान विभाग, बैनर एवं योग रथ समाज कल्याण विभाग, जलपान व्यवस्था खाद्य विभाग एवं टी शर्ट व्यवस्था की जिम्मेदारी नगर निगम बिलासपुर को सौंपी गई है।

आंगनबाड़ी केंद्रो में रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित

बिलासपुर (समय दर्शन)। एकीकृत बाल विकास परियोजना सकरी अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के 1 एवं सहायिका के 2 रिक्त पदों पर नियुक्ति की जाएगी। ग्राम पंचायत पेण्डारी के केन्द्र क्रमांक 03 हेतु आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, ग्राम पंचायत बेलटुकरी के केन्द्र क्रमांक 02 हेतु सहायिका एवं ग्राम पंचायत पांड के केन्द्र क्रमांक 02 हेतु सहायिका के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका की भर्ती के लिए 20 जून से 4 जुलाई तक आवेदन किये जा सकते है। रिक्त पदों की विस्तृत जानकारी तथा निर्धारित आवेदन पत्र कार्यालय परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना सकरी से प्राप्त कर सकते है।

बंद ऋतु में 15 अगस्त तक मत्स्याखेट प्रतिबंधित

गरियाबंद (समय दर्शन)। मछलीपालन विभाग द्वारा 16 जून से 15 अगस्त 2024 को बंद ऋतु घोषित कर मत्स्याखेट पर पूर्णत: प्रतिबंध लगाया गया है। यह अवधि मछलियों का प्रजनन काल होता है। इस दौरान मछलियों के प्रजनन से उनकी संख्या में बढ़ोतरी होती है।सहायक संचालक मछलीपालन विभाग ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश के नदियों-नालों तथा छोटी नदियों,सहायक नदियों में जिन सिंचाई के तालाब,जलाशय (बड़े या छोटे) जो निर्मित किये गये है,में किये जा रहे केज कल्चर के अतिरिक्त सभी प्रकार का मत्स्याखेट 16 जून से 15 अगस्त 2024 तक पूर्णत: निषिद्ध रहेगा।इन नियमों का उल्लंघन करने पर एक वर्ष का कारावास अथवा 10 हजार रूपये का जुर्माना अथवा दोनों एक साथ होने का प्रावधान है।उक्त नियम केवल छोटे तालाब या अन्य जल स्त्रोत जिनका संबंध किसी नदी नाले से नहीं है,के अतिरिक्त जलाशयों में किये जा रहे केज कल्चर में लागू नहीं होंगे।

जिला अधिकारी जिले के स्वास्थ्य केन्द्र, स्कूल, छात्रावास, आंगनबाड़ी एवं पीडीएस दुकानों का करेंगे निरीक्षण

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में प्रशासनिक सुविधाओं एवं शासकीय संस्थानों की कार्यवाहियों पर मॉनिटरिंग करने के उद्देश्य से कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने विभिन्न शासकीय संस्थानों के निरीक्षण के लिए नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की है। नियुक्त 148 नोडल अधिकारी माह के दूसरे शनिवार को जिले के स्वास्थ्य केन्द्र,स्कूल,आंगनबाड़ी,पीडीएस दुकान,हाट-बाजार,छात्रावास एवं जल जीवन मिशन के तहत कार्यों का निरीक्षण करेंगे।इसके लिए नोडल अधिकारियों के संस्थावार निरीक्षण आदेश जारी कर दिये गये हैं। सभी नोडल अधिकारी अपने आबंटित संस्थाओं में जाकर वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी निर्धारित प्रारूप में संकलित करेंगे। साथ ही लोगों की सुविधाओं के लिए आवश्यक सुविधाओं का भी जायजा लेकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने नियुक्त सभी नोडल अधिकारियों को गंभीरता एवं सक्रियता से शासकीय संस्थाओं का निरीक्षण कर निर्धारित प्रारूप में जानकारी देने के निर्देश दिये है। इसके अलावा गांव भ्रमण के दौरान ग्राम पंचायतों में चौपाल लगाकर ग्रामीणों की समस्याओं से भी अवगत होने एवं निराकरण के संबंध में संबंधित विभाग से समन्वय भी करने के निर्देश दिये है। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान मैदानी अमलो को उपस्थित होने एवं समन्वय करने के भी निर्देश दिये है।

आम की विभिन्न किस्मों को देखने उमड़ पड़े लोग

रायपुरवासियों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना राष्ट्रीय आम महोत्सव

रायपुर (समय दर्शन)। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में 12 से 14 जून तक आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 325 से ज्यादा किस्में प्रदर्शनी हेतु लगाई गई है। महोत्सव में सुगंधित और रसीले आमों की जो प्रदर्शनी लगाई गई है उसे प्रदेश के दूर-दराज क्षेत्रों से और देश के विभिन्न हिस्सों से लाया गया है। इनमें दशहरी, लंगड़ा, हापुस, केशर, नीलम, चौसा, माल्दा, फज़ली, सुंदरजा, नूरजहां, हिमसागर, बॉम्बे ग्रीन, गुलाब खास, जंबो रेड, अल्फांजो, कोकोनट क्रीम, बैगनफल्ली जैसे अन्य देसी किस्मों के आम शामिल हैं। इसके अलावा मियाजाकी, थाई बनाना, रैड पामर जैसी आम की विदेशी किस्में भी शामिल हैं। प्रदर्शनी में हाथीझूल किस्म की आम ने लोगों का आकर्षण खींचा। यह सामान्य आम से लगभग 5 गुना बड़ा होता है। इस किस्म के एक आम का वजन ही लगभग तीन किलो तक होता है। इसका उत्पादन ज्यादातर बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, बीजापुर में होता है। इसकी कीमत 150 से 200 रूपये प्रति किलो होती है। इसके अतिरिक्त आम की अनेक देशी किस्मों को भी प्रदर्शित किया गया है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में निर्मित सेल्फी जोन युवाओं के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में 56 प्रकार के आम से बने व्यंजनों की भी प्रदर्शनी लगाई गई है। इनमें आम सेवई, आम मिलेट खीर, आम मफिन्स, आम-नारियल का लड्डू, आम पापड़, आम का आचार, आम का कराची हल्वा, कुल्फी, फिरनी, चटनी, लौंजी, कैंडी, आम-साबूदाना की खीर आदि व्यंजन बनाए गए हैं। सजावट प्रतियोगिता में छात्रों ने आम को रोबोट, फूल, घड़ी आदि के रूप में सजाया गया है। कुकिंग प्रतियोगिता में महिला प्रतिभागियों ने आम से कैरी, कटलेट और मैंगो पुडिंग सहित अन्य व्यंजन बनाए। आम महोत्सव में एक आम जिसने हर किसी का ध्यान खींचा वो है मियाजाकी। इसका उत्पादन जापान में होता है, जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 2 लाख 70 हजार रूपये प्रति किलो है। मियाजाकी आम का वजन करीब 350 ग्राम होता है। इसमें शरीर के लिए जरूरी एंटी आक्सीडेंट, फोलिक एसिड, बीटा-केरोटिन जैसे तत्व पाए जाते हैं। कापोरेट वर्ल्ड में इसका उपयोग भेंट करने में ज्यादा होता है। महोत्सव में थाई बनाना, रैड पामर जैसी आम की विदेशी किस्में भी प्रदर्शनी में रखी गई है। महोत्सव के दूसरे दिन गुरूवार को आम उगाने वाले कृषक और आम की खेती में रूचि रखने वालों के लिए 12 बजे से 4 बजे तक तकनीकी कार्यशाला एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया था। कार्यशाला में आम की उन्नत खेती की तकनीक, आम उत्पादन में आने वाली समस्याओं तथा उनके निराकरण के संबंध में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा जानकारी दी गई तथा किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। इस तीन राष्ट्रीय आम महोत्सव का कल समापन किया जाएगा।

चावल वितरण में लापरवाही हुई तो होगी सख्त कार्रवाई : खाद्य मंत्री बघेल

रायपुर (समय दर्शन)। गरीबों के हक का चावल उन तक पहुंचाना सरकार की सबसे पहली प्राथमिकता है। वितरण में लापरवाही अथवा खराब चावल के वितरण की सूचना मिली तो, संबंधित खाद्य अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नवा रायपुर में गुरुवार को खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। इस अवसर पर खाद्य विभाग के सचिव बसवराजू एस., संचालक जितेन्द्र कुमार शुक्ला, विशेष सचिव के.डी. कुंजाम, अपर संचालक राजीव कुमार जायसवाल, जिला स्तरीय खाद्य अधिकारी, सहायक खाद्य अधिकारी, विपणन अधिकारी और नागरिक आपूर्ति निगम के अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री बघेल ने अधिकारियों को कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि उचित मूल्य दुकान के माध्यम से लोगों तक प्रत्येक माह समय पर राशन वितरण कराना सुनिश्चित करें। किसी भी खाद्य अधिकारी के संबंध में शिकायत मिलती है तो उनके विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने सभी पंजीकृत श्रमिकों का शत-प्रतिशत भी राशन कार्ड बनाने के लिए कहा है और खाद्य अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र के दुकानों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। इस दौरान उचित मूल्य दुकानों में चावल, चना, शक्कर, नमक, केरोसिन भंडारण की स्थिति, हितग्राहियों को वितरण की स्थिति, स्टॉक पंजी सहित अन्य जानकारी का अवलोकन करने के लिए कहा है। खाद्य मंत्री ने कहा कि गरीबों का हक का चावल उन्हें ही मिलना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की कटौती एवं लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। चावल वितरण के संबंध में शिकायत मिलने पर खाद्य अधिकारी एवं सहायक खाद्य अधिकारी के विरूद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। चावल की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान रखें। किसी भी स्थिति में खराब चावल का वितरण नहीं करेंगे। खाद्य मंत्री ने बरसात से पूर्व पहुंचविहीन क्षेत्रों में राशन सामग्रियों को अग्रिम भंडारण करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश के ऐसे स्थानों जहां वर्षो ऋतु के दौरान आवागमन मार्ग अवरूद्ध हो जाते है वहां खाद्यान्न शक्कर, नमक तथा केरोसिन उपभोक्ताओं को सुलभ उपलब्ध कराने की दृष्टि से वर्षा ऋतु के पूर्व अग्रिम भण्डारण किया जाता है।

खाद्य सचिव बसवराजू एस. ने खाद्य अधिकारियों को विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों का प्राथमिकता से राशन कार्ड बनाने के निर्देश दिए है। उन्होंने इसके लिए ग्राम पंचायत वार छूटे हुए सभी हितग्राहियों का चिन्हांकन कर परिवार के सदस्यों को भी राशन कार्ड में नाम दर्ज करने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि जिन राशनकार्ड हितग्राहियों ने अपना कार्ड नवीनीकरण नहीं किया है। वे शीघ्र नवीनीकरण का कार्य करवा लें और छूटे हुए हितग्राहियों का ई-केवायसी करवाने का निर्देश दिया।

छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट : केन्द्रीय नीति आयोग की सलाहकार ने ली प्रगति की जानकारी

रायपुर (समय दर्शन)। भारत सरकार के नीति आयोग की सलाहकार श्रीमती निधि छिब्बर ने गुरुवार को मंत्रालय में छत्तीसगढ़ में बनाए जा रहे विजन डॉक्यूमेंट 2047 के संबंध में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। राज्य नीति आयोग के अधिकारियों ने उन्हें विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए लघु, मध्यम और दीर्घ अवधि के सुझाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की विशेष पहल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट तैयार किया जा रहा है। विजन डॉक्यूमेंट बनाने का दायित्व राज्य नीति आयोग को सौंपा गया है। राज्य नीति आयोग द्वारा पिछले लगभग एक माह से लगातार विषय विशेषज्ञों के साथ बैठकों का आयोजन कर विस्तृत विचार विमर्श किया जा रहा है। विशेषज्ञों के सुझाव को एकत्र किया जा रहा है। राज्य नीति आयोग द्वारा विजन डॉक्यूमेंट बनाने के लिए 8 वर्किंग ग्रुप बनाए गए हैं। मुख्यमंत्री साय की पहल पर हाल में ही रायपुर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफमैनेजमेंट में सुशासन और विकसित छत्तीसगढ़ को लेकर देश के जाने माने विशेषज्ञों के साथ बौद्धिक विचार-विमर्श किया। छत्तीसगढ़ के परिस्थितियों के मद्देनजर विशेषज्ञों और छत्तीसगढ़ सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्यों के बीच विकसित छत्तीसगढ़ और सुशासन के लिए विचारों का आदान-प्रदान हुआ। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने छत्तीसगढ़ के विजन डॉक्यूमेंट को लेकर राज्य के सभी विधायकों और मंत्रिगणों से भी अपने सुझाव देने का आग्रह किया है। यह भी बताया कि विजन डॉक्यूमेंट को लेकर नागरिकों और स्वयंसेवी संस्थाओं से सुझाव लेने की भी पहल की जाएगी। इसके लिए जनसंवाद का भी आयोजन करने की योजना है। बैठक में योजना आयोग और सांख्यिकी विभाग के सचिव अंकित आनंद सहित राज्य नीति आयोग की सलाहकार संस्थाओं के प्रतिनिधि और राज्य नीति आयोग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डिजिटल क्रॉप सर्वे की जानकारी एग्री स्टैक पोर्टल में होगी दर्ज

पोर्टल के जरिए किसानों को सामयिक सलाह से बाजार उपलब्ध कराने तक मिलेगी सहायता

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में फसल आच्छादन का अब डिजिटल सर्वे होगा। सर्वे में किसानों की फसलों की सभी जानकारियां एग्री स्टैक पोर्टल में दर्ज होंगी। किसानों को फसल उत्पादकता के लिए जरूरी इनपुट जैसे फसल ऋण, विशेषज्ञो की सलाह से लेकर बाजार उपलब्ध कराने में भारत सरकार का एग्री स्टैक पोर्टल से मदद मिलेगी। कृषि विभाग दिल्ली से आये अधिकारियों ने नया रायपुर इंद्रावती भवन में राजस्व विभाग के मास्टर ट्रेनरों को डिजिटल क्रॉप सर्वे 2024 प्रशिक्षण देते हुए बताया कि जिओ रेफ्रेंसिंग तकनीक के माध्यम से इस वर्ष से डिजिटल क्रॉप सर्वे किया जाना है। डिजिटल सर्वे की जानकारी एग्री स्टैक पोर्टल में ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। एग्री स्टैक पोर्टल में किसानों का पंजीयन होने के बाद उन्हें एक फार्मर आईडी दी जाएगी। इस पोर्टल में किसानों द्वारा लगाई गई फसल के साथ-साथ उन्हें आवश्यक खाद और पानी की मात्रा की भी जानकारी मिलेगी। इस पोर्टल के माध्यम से राज्य के किसानों को अब न केवल जमीन अपितु जमीन में लगाये फसल और उत्पादन के लिए आवश्यक बाज़ार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। संचालक भू-अभिलेख रमेश शर्मा ने प्रशिक्षण में कहा कि इस पोर्टल के जरिए किसानों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा। इस पोर्टल का उद्देश्य कृषि उत्पादकों (किसानों) और नीति निर्माताओं-केंद्र सरकार और राज्य सरकार को एक डिजिटल छतरी के नीचे लाना है। अपर आयुक्त भू-अभिलेख डॉ. संतोष देवांगन ने बताया कि इस प्रशिक्षण से राज्य के किसानों को लाभ मिलेगा। एग्री स्टेक में किसान का पंजीयन हो जाने से उन्हें जरूरत का खाद और बीज मिल सकेगा। इसके साथ ही किसानों को आवश्यकतानुसार बैंक ऋण लेने की भी सुविधा मिलेगी। प्रशिक्षण में सभी जिलों के भू-अभिलेख अधिकारी और भू-अभिलेख अधीक्षक शामिल हुए।

12वीं में पढ़ रहे प्रयास विद्यालय के 32 बच्चों ने इस साल जेईई एडवांस्ड क्वालीफाई किया

नामी कोचिंग संस्थानों को टक्कर दे रहा रायपुर का प्रयास विद्यालय...

रायपुर (समय दर्शन)। राजधानी का प्रयास विद्यालय नामी कोचिंग संस्थानों को टक्कर दे रहा है। बारहवीं में पढ़ रहे यहां के 32 बच्चों ने जेईई एडवांस्ड क्वालीफाई कर देश की विभिन्न आईआईटी और समकक्ष राष्ट्रीय संस्थानों में प्रवेश के लिए पात्रता हासिल की है। देश के शीर्ष तकनीकी संस्थानों (आईआईटी एवं समकक्ष) में प्रवेश पाने वाले ज्यादातर विद्यार्थी बारहवीं के बाद एक-दो वर्ष की तैयारी वाले होते हैं। लेकिन प्रयास विद्यालय के 32 बच्चों ने बारहवीं की पढ़ाई के साथ-साथ ही देश के श्रेष्ठ एवं प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों में प्रवेश का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है। राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली जेईई की कठिन प्रतियोगी परीक्षा में देशभर के लाखों बच्चे बैठते हैं। हाल ही में 9 जून को घोषित जेईई एडवांस्ड के नतीजों में रायपुर प्रयास विद्यालय के कुलदीप कुमार ने ऑल इंडिया केटेगरी रैंक 459 हासिल किया है। वहीं ओमप्रकाश नेताम को ऑल इंडिया केटेगरी रैंक 473 और रुद्राक्ष भगत को ऑल इंडिया केटेगरी रैंक 825 मिला है। ये तीनों बच्चे राज्य के सुदूर मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, कोंडागांव और सरगुजा के गरीब आदिवासी परिवारों से आते हैं। इनके साथ पढ़ने वाले त्रिलोक पैंकरा ने ऑल इंडिया केटेगरी रैंक 1123, लीलाधर ठाकुर ने 1174, पंकज रावटे ने 1592, गैंद लाल ने 1638, आदर्श राज पैंकरा ने 1661 और शुभम कश्यप ने 1801 ऑल इंडिया केटेगरी रैंक हासिल की है। ये सभी भी राज्य के सुदूर अधिसूचित विकासखंडों के कमजोर आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के बच्चे हैं। प्रयास विद्यालय के शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन में इन बच्चों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा से अपने सपनों को पूरा करने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाया है।

रायपुर का प्रयास विद्यालय कक्षा नवमीं से बारहवीं तक की पढ़ाई के साथ ही होनहार आदिवासी नौनिहालों का आईआईटी, एनआईटी एवं समकक्ष श्रेष्ठ तकनीकी संस्थानों में पढ़ने का सपना पूरा कर रहा है। विगत अप्रैल में यहां के 64 बच्चों ने जेईई मेन्स (JEE Mains) क्वालीफाई कर जेईई एडवांस्ड के लिए पात्रता हासिल की थी जिनमें से 32 बच्चों ने अब जेईई एडवांस्ड भी क्वालीफाई कर लिया है। जेईई एडवांस्ड क्वालीफाई करने वाले बच्चे जहां देश की विभिन्न आईआईटी एवं समकक्ष संस्थानों में प्रवेश ले सकेंगे, वहीं जेईई मेन्स क्वालीफाई करने वाले बच्चे एनआईटी (National Institute of Technology) एवं समकक्ष संस्थानों में पढ़ने का अपना सपना पूरा करेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली जेईई की कठिन प्रतियोगी परीक्षा क्वालीफाई कर पिछले पांच वर्षों में प्रयास विद्यालय रायपुर के 51 छात्रों ने देश की विभिन्न आईआईटी में प्रवेश प्राप्त किया है। वहीं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (NITs) में 94 बच्चों का चयन हुआ है। रायपुर के सड्डू स्थित प्रयास विद्यालय में राज्य के वनांचल और दूरस्थ अधिसूचित क्षेत्रों के बच्चे पढ़ रहे हैं। कक्षा नवमीं से बारहवीं तक यहां करीब 700 बच्चे अध्ययनरत हैं। शिक्षण सत्र 2023-24 में गणित विषय (क्वाटरू) लेकर 166 छात्र पढ़ रहे थे। प्रयास विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती मंजुला तिवारी बताती हैं कि ग्यारहवीं और बारहवीं के बच्चों को यहां बोर्ड परीक्षाओं के साथ ही जेईई जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दृष्टिकोण से अध्यापन किया जाता है। स्कूल में ही दोनों तरह की पढ़ाई के कारण बच्चे बोर्ड परीक्षाओं के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं में भी अच्छा प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने बताया कि बच्चों के बौद्धिक स्तर और कक्षा में प्रदर्शन के अनुसार अलग-अलग समूहों में बांटकर अध्ययन संबंधी उनकी समस्याओं को दूर किया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

खरीफसीजन में किसानों को नहीं होगी कोई कमी, पर्याप्त है भंडारण : नेताम

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री आवास में गुरुवार को कृषि विभाग और उद्यानिकी विभाग की समीक्षा बैठक ली गई। बैठक से निकलते ही कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि, खरीफसीजन में किसानों को किसी प्रकार की कमी नहीं होगी। किसानों को खाद बीज प्रामाणिक और गुणवत्ता पूर्ण वितरण के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आगे कहा कि, खाद और बीज का पर्याप्त भण्डारण कर चुके हैं। कहीं कमी होगी तो आस पास के जिलों से पूर्ति की जाएगी। उद्यानिकी विभाग की जिन योजना पर काम बंद है तो उन्हें शुरू किया जाएगा। बैठक बहुत ही सकारात्मक रही। इससे अफसर का मनोबल बढ़ेगा और हम लोगों को भी काम करने में एक नई दिशा मिलेगी।

केंद्रीय कर्मचारियों को पुनरीक्षित दरों पर मिलेगा महंगाई भत्ता

रायपुर (समय दर्शन)। राज्य सरकार ने अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के लिए पुनरीक्षित दरों पर महंगाई भत्ता भुगतान देने का आदेश जारी कर दिया है। इसके तहत अब आईएएस अधिकारियों को 1-1-24 से पुनरीक्षित दर से भुगतान किया जाएगा। इस देय महंगाई भत्ते का भुगतान नक़द किया जाएगा। सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में 6 बिंदुओं में दिशा निर्देश जारी किया गया है। पुनरीक्षित दरों से महंगाई भत्ते का नियमन भारत सरकार वित् मंत्रालय से होगा। इस देय महंगाई भत्ते का भुगतान नक़द किया जाएगा। इस भुगतान में विशेष वेतन और व्यक्तिगत वेतन शामिल नहीं होगा। इसके अलावा अधिक भुगतान करने पर ज़िम्मेदार अधिकारियों से वसूली की जाएगी। इस संबंध में शासन के समस्त विभाग, समस्त विभागाध्यक्ष, संभागीय आयुक्त और सभी कलेक्टरों को पत्र जारी कर दिया गया है।

मरीन ड्राइव में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम 15 को

रायपुर (समय दर्शन)। अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा, यातायात पुलिस और नारायणा हृदयालय एमएमआई (एनएचएमएमआई) हास्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में 15 जून को मरीन ड्राइव में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सुबह 6 बजे से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करना और यातायात नियमों के पालन के लिए प्रेरित करना है। इस दौरान जुम्बा डांस और स्टे फिट विथ मी की टीम द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रोचक तरीके से यातायात नियमों की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान स्टे फिट विथ मी की टीम यातायात नियमों के उल्लंघन से होने वाले नुकसान और दुर्घटनाओं के परिणामों को नुक्कड़ नाटक के माध्यम से समझाएगी। कार्यक्रम के दौरान सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वाले गुड सेमेरिटन को सम्मानित किया जाएगा। वहीं एमएमआई हास्पिटल के चिकित्सक सड़क दुर्घटना में घायलों को बचाने और सड़क सुरक्षा जागरूकता संबंधी जानकारी प्रदान करेंगे। जिले में लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण पाने के लिए लोगों को यातायात नियमों के महत्व को समझाने और उन्हें पालन करने के लिए प्रेरित करने का प्रयास किया जाएगा। यातायात पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि इस सड़क सुरक्षा और जीवन रक्षा के जागरूकता कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी सहभागिता निभाएं और इसका लाभ उठाएं।

बलौदाबाजार कलेक्टोरेट में काम-काज सामान्य दिनों की तरह फिर से शुरू

रायपुर (समय दर्शन)। बलौदाबाजार कलेक्टोरेट में सामान्य दिनों की तरह काम-काज फिर से शुरू हो गया है। सभी विभागों के अधिकारी आम दिनों की तरह ही अपने-अपने विभागों का काम-काज कर रहे हैं। जिला प्रशासन की पहल पर बलौदाबाजार स्थित कलेक्टर परिसर स्थित संयुक्त कार्यालय में गत दिनों हुई आगजनी और तोड़फोड़ की घटना में क्षतिग्रस्त वाहनों के बीमा क्लेम दिलाने के लिए जनसुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है। इस केन्द्र में बीमा क्लेम प्राप्त करने के लिए कोई भी आम नागरिक और शासकीय अधिकारी-कर्मचारी जिनका स्वयं का वाहन इस घटना में क्षतिग्रस्त हुआ है, इस जन सुविधा केन्द्र में आवेदन जमा कर सकते हैं। नवनियुक्त कलेक्टर दीपक सोनी ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा घटना में क्षतिग्रस्त हुए वाहन के स्वामियों को बीमा क्लेम दिलाने में सहयोग दिया जा रहा है, ताकि क्षतिग्रस्त वाहन स्वामियों को बीमा की राशि प्राप्त करने में आसानी हो। उन्होंने बताया कि जनसुविधा केन्द्र में बीमा क्लेम के लिए प्राप्त होने वाले आवेदनों का परीक्षण कर संबंधित बीमा कंपनियों को भेजा जाएगा, जिससे क्षतिग्रस्त वाहनों के स्वामियों को बीमा राशि मिल सके। उन्होंने बताया कि कलेक्टोरेट कार्यालय के कक्ष क्रमांक-07 में जनसुविधा केन्द्र स्थापित किया गया है। बीमा क्लेम प्राप्त करने के लिए वाहन मालिकों को आवश्यक दस्तावेज आवेदन के साथ जमा करना होगा। जनसुविधा केन्द्र के नोडल अधिकारी जिला कोषालय अधिकारी को नोडल अधिकारी और जिला परिवहन अधिकारी तथा लीड बैंक मैनेजर को सदस्य बनाया है। कलेक्टर ने बताया कलेक्टोरेट में काम-काज सामान्य दिनों की तरह चालू हो गया है। सभी विभागों के अधिकारी अपने-अपने विभागों का काम-काज सुचारू रूप से कर रहे हैं। आम जनता की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने जिले के नागरिकों से अपील की है कि जिले में शांति, सदभाव बनाये रखने में जिला प्रशासन को सहयोग करें।

जनता की सेवा के लिए तत्पर रहें अधिकारी-कर्मचारी : कलेक्टर

रायपुर (समय दर्शन)। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के नवनियुक्त कलेक्टर ने सभी विभागों के अधिकारियों से कहा है कि आमजनता की सेवा के लिए अधिकारी-कर्मचारी तत्पर रहें। ग्रामीणों और आम नागरिकों को शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के संबंध में आवेदन देने के लिए भटकना नहीं पड़े इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि लोगों के आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई की जाए तथा उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ निराकरण किया जाए। मैदानी स्तर पर निराकरण नहीं हो सकने वाले आवेदनों को तत्काल जिला स्तर पर विभागीय अधिकारियों के पास भेजा जाए। कलेक्टर ने कहा है कि जिन क्षेत्रों में अधिक समस्याएं प्राप्त होंगी वहां अभियान चलाकर समस्याओं का निराकरण किया जाए।

उन्होंने कहा कि मौसमी बीमारी की रोकथाम पर विशेष ध्यान रखा जाए, पहले से एहतियात कदम उठाएं जाए। पेयजल स्त्रोतों का शुद्धिकरण कर लिया जाए। बरसात के पूर्व सभी नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में नालियों की साफ-सफाई आदि के कार्य किए जाए।

संपादकीय

गहराता जा रहा है संदेह

ऐसा पहली बार हुआ कि नीट-यूजी परीक्षा में बैठे 67 छात्रों ने पूरे अंक पा कर पहली रैंक हासिल की। ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम रैंक अब तक एक या दो छात्रों को ही मिलती रही है। इसलिए संदेह गहरा गया है। यह संदेह गहराता जा रहा है कि प्रतियोगी परीक्षाएं धांधली का जरिया बन गई हैं और यह सब कुछ प्रशासन के संरक्षण में हो रहा है। अनेक राज्यों में पेपर लीक की बढ़ती घटनाओं से यह शक बनना शुरू हुआ। अब देश के टॉप मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट-यूजी) को लेकर खड़े हुए विवाद से यह और गहरा गया है। परीक्षा आयोजित कराने वाली राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) सवालों के घेरे में है। शक को इससे भी बल मिला कि जिस रोज लोकसभा चुनाव की मतगणना में सारे देश का ध्यान था, एनटीए ने उसी रोज इम्तहान के नतीजों को जारी करने का फैसला किया। ऐसा पहली बार हुआ कि इस परीक्षा में बैठे 67 छात्रों ने पूरे अंक पा कर पहली रैंक हासिल की। ऑल इंडिया स्तर पर प्रथम रैंक अब तक एक या दो छात्रों को ही मिलती रही है। एनटीए ने सफाई दी है कि आसान परीक्षा, रजिस्ट्रेशन में बढ़ोतरी, दो सही उत्तरों वाला एक प्रश्न और परीक्षा के समय में नुकसान की भरपाई के लिए ग्रेस मार्क्स दिया जाना ऐसे कारण हैं, जिनसे छात्रों को उच्च अंक लाने में सहायता मिली। मगर परीक्षा में शामिल हुए छात्रों के एक बड़े हिस्से को यह स्पष्टीकरण मंजूर नहीं है। वे परीक्षा रद्द कर इसे दोबारा कराने की मांग कर रहे हैं। एनटीए का कहना है कि 1,500 से ज्यादा उम्मीदवारों को दिए गए ग्रेस मार्क की समीक्षा करने के लिए चार सदस्यों की कमेटी गठित की गई है, जो एक हफ्ते के अंदर अपनी रिपोर्ट पेश करेगी। मगर संदेह इतना गहरा है कि ऐसे स्पष्टीकरण से छात्रों एवं समाज के एक बड़े हिस्से को संतुष्ट करने में सफलता नहीं मिली है। आरोप है कि पेपर लीक किया गया। यह मुद्दा इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से संबंधित जूनियर डॉक्टर्स नेटवर्क ने उठाया। उसने मामले की सीबीआई जांच और दोबारा परीक्षा कराने को कहा है। जो हालात हैं, उनके बीच इन मांगों को ठुकराना मुश्किल मालूम पड़ता है। अगर ऐसा कर भी दिया गया, तो यह परीक्षा की शुचिता पर संदेह जारी रखने की कीमत पर ही होगा।

गठबंधन के राजधर्म

प्रधानमंत्री मोदी समेत 72 मंत्रियों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। उसी के साथ नई केंद्र सरकार का राजधर्म आरंभ हो गया। यह विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की विविधता और ताकत का समारोह मनाने का क्षण है। यह चुनाव आयोग, अन्य संस्थानों, कर्मचारियों और प्रक्रिया का आभार जताने का भी पल है। देश के मतदाताओं ने जनादेश दिया है। गठबंधन की यह सरकार भी लोगों की इच्छा की प्रतीक है, क्योंकि गठबंधन में ही बहुमत और राजधर्म निहित हैं। चूंकि यह गठबंधन की सरकार है, किसी एक दल के पक्ष में बहुमत का जनादेश नहीं है, तो उसके मायने ये नहीं हैं कि गठबंधन की निरंतरता और स्थिरता का ही रोना रोया जाए अथवा बहानों के लिए गठबंधन की आड़ में छिपा जाए। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में ही यह एनडीए-3 सरकार है और 2014 की निरंतरता में ही है। फर्क सिर्फ इतना है कि भाजपा को बहुमत नहीं मिला है और सरकार की स्थिरता गठबंधन के घटक दलों के सहारे ही है। बिल्कुल ऐसा भी नहीं है, क्योंकि जब 1991 में नरसिम्हा राव सरकार बनी थी, तब कांग्रेस के 232 सांसद ही थे। सरकार पूरे पांच साल चली, यह दीगर है कि कुछ कलंक और दाग लग गए थे, जो लोकतंत्र को बदनाम करते हैं। सदन में बहुमत साबित करने के लिए सांसदों को खरीदा गया था, कुछ को मंत्री पद का लालच दिया गया था। कमोबेश अब भाजपा के पास 240 सांसद हैं और कुछ निश्चित समर्थक भी हैं। बहुमत के लिए खरीद-फरोख्त की नौबत, शायद, न आए। बहरहाल मौजूदा संदर्भ में हमें तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी) और जद-यू की ही चिंता नहीं करनी चाहिए। उन्हें भी समविचारक भारत सरकार की जरूरत है, जो उनकी बुनियादी जरूरतों की पूर्ति कर सके। दोनों ही दलों के राज्य गरीब और विपन्न हैं। दोनों ही राज्य कर्जदार हैं। अन्य सरकार उनकी जरूरतों को संबोधित नहीं कर सकती। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का राजधर्म यह है कि जब भी कोई बड़ा और गंभीर फैसला लेना हो, तो विमर्श की मेज पर सभी सहयोगी दलों के नेता मौजूद हों और फैसला सर्वसम्मति से किया जाना चाहिए। खुद प्रधानमंत्री ऐसी भावना व्यक्त कर चुके हैं। गठबंधन सरकारों के प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. मनमोहन सिंह भी थे, जिन्होंने अपने कार्यकाल बखूबी निभाए। डॉ. मनमोहन सिंह तो 10 साल तक गठबंधन सरकार के प्रधानमंत्री रहे। दूरसंचार, पेंशन, सरकारी घाटे पर लगाम कसने की व्यवस्था, बिजली और बीमा क्षेत्र के कई बड़े सुधारवादी फैसले वाजपेयी सरकार के दौरान लिए गए। मनमोहन सरकार के दौरान अमरीका के साथ असैन्य परमाणु करार जैसे संवेदनशील फैसले के अलावा मनरेगा, खाद्य सुरक्षा, अनिवार्य-मुफ्त प्राथमिक शिक्षा, सूचना के अधिकार, भूमि अधिग्रहण कानून आदि पारित कराए गए। इनके अलावा पेट्रोलियम उत्पादों को बाजार के हवाले करने सरीखे बड़े फैसले भी लिए गए। चूंकि अब भाजपा अल्पमत में है, लिहाजा एनडीए की गठबंधन सरकार, गठबंधन धर्म और मोदी सरकार के राजधर्म की अग्निपरीक्षा का यह दौर है। हालांकि हमें कोई बड़ा संकट या राजनीतिक दरारों के हालात नहीं लगते, क्योंकि आर्थिक विकास और आर्थिक सुधारों के पक्षधर चंद्रबाबू नायडू और नीतीश कुमार भी हैं। फिर भी असली चुनौती तब सामने आएगी, जब प्रधानमंत्री टीडीपी और जद-यू दोनों को ही निर्णय की मेज पर बुलाएंगे और सर्वमत नहीं बन पाएगा। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए को 'ऑर्गेनिक' और 'सफ्लतम' गठबंधन करार दिया है। वह जनादेश के मर्म को जानते हैं और अलग-अलग राज्य और दल की भिन्नता महसूस करते हैं, लिहाजा कुछ समझौतापरस्त होना भी अपेक्षित है। प्रधानमंत्री मोदी ऐसे केंद्र की कल्पना कर रहे हैं, जो राज्यों को अपने साथ लेकर आगे बढ़े और उनकी बात गौर से सुने। उन्होंने प्रतिस्पर्द्धी और सहकारी संघवाद के मॉडल की भी बात की है। राष्ट्र के मुद्दे पर सभी करीब आएं और एक साथ काम करें। इसी संदर्भ में विपक्ष की भूमिका की नई परिभाषा प्रधानमंत्री मोदी ने दी है। बहरहाल नई सरकार ने प्रभार ग्रहण कर लिया है, मंत्रालय भी बंट जाएंगे और सरकार का नया प्रारूप पूरी तरह सामने होगा, लिहाजा उन चुनौतियों पर भी विमर्श एकजुट होकर करना चाहिए, जो वाकई राष्ट्रीय हैं। देखना यह भी होगा कि नई सरकार युवाओं के लिए क्या करती है।

मध्यप्रदेश में खास रही 'स्त्री शक्ति' की भूमिका, लोकसभा की सभी सीटें जीतकर भाजपा ने रचा इतिहास

प्रो. संजय द्विवेदी

मध्यप्रदेश में सभी लोकसभा सीटों पर विजय प्राप्त कर भाजपा ने कठिन समय में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बड़ा सहारा दिया है। जिसमें मध्यप्रदेश की महिला मतदाताओं का योगदान सबसे महत्वपूर्ण है। विधानसभा चुनाव अभियान से ही प्रधानमंत्री मोदी मध्यप्रदेश में सबसे खास चेहरा बने हुए हैं। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनावों में भाजपा ने मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा था और भारी जनसमर्थन प्राप्त किया। 'मोदी के मन में मध्यप्रदेश, मध्यप्रदेश के मन में मोदी' यह मुख्य नारा था, जिसमें संगठन के परिश्रम ने प्राण फूंक दिए।

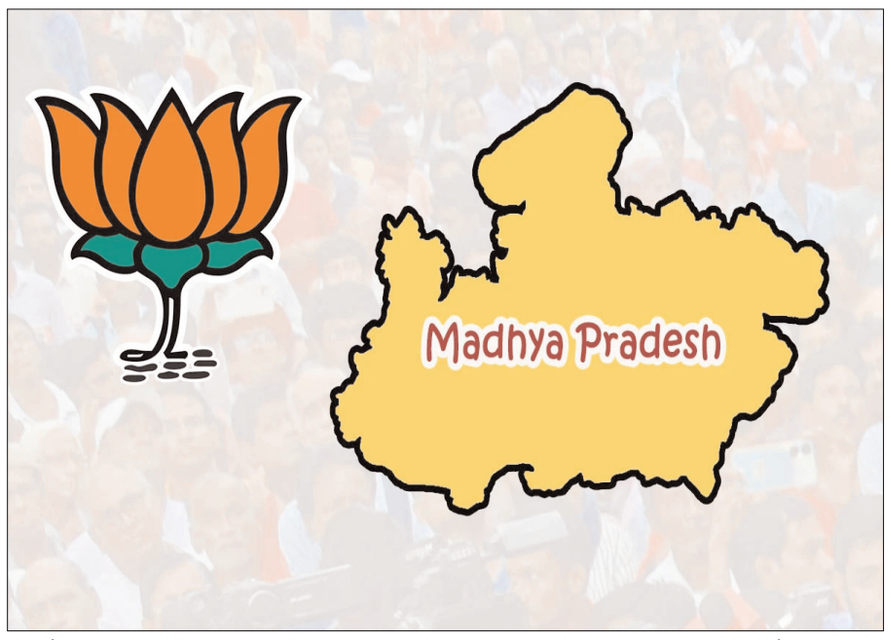

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सत्ता में तीसरी बार वापसी एक असाधारण घटना है। भारत जैसे जीवंत लोकतंत्र में अपनी लोकप्रियता और प्रासंगिकता बनाए रखना इतना आसान नहीं होता। भाजपा जैसे दल के लिए जिसने 8 वें दशक में सिर्फ दो लोकसभा सीटों के साथ अपनी यात्रा प्रारंभ की हो, यह चमत्कार ही है। अनपेक्षित परिणामों के बाद भी केंद्र में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी और एनडीए सबसे बड़ा गठबंधन है। मध्यप्रदेश वैसे भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के अद्भुत समन्वय से चलने वाला राज्य रहा है। मुख्यमंत्री मोहन यादव, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, संगठन मंत्री हितानंद शर्मा, ज्योतिरादित्य सिंधिया जैसे दिग्गजों की जुगलबंदी ने जो इतिहास रचा है, उसे लंबे समय तक याद किया जाएगा। इसके अलावा नरेंद्र सिंह तोमर, कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल, राजेन्द्र शुक्ल, फगन सिंह कुलस्ते, वीरेंद्र कुमार जैसे अनेक नेता भाजपा के सामाजिक और भौगोलिक विस्तार को स्थापित करते हैं। संघ की प्रयोगभूमि होने के कारण मध्यप्रदेश पर पूरे देश की निगाह थी। मध्यप्रदेश में यह वैचारिक यात्रा हिंदुत्व, भारतबोध की यात्रा तो है ही समाज के सभी वर्गों की हिस्सेदारी ने इसे सफल बनाया है। स्त्री शक्ति इसमें सबसे प्रमुख है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जहां स्त्री शक्ति को भाजपा के साथ गोलबंद करने में अहम भूमिका निभाई, वहीं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सत्ता में आते ही सामान्य जन के जीवन स्तर को उठाने के प्रयास किए। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से गरीब परिवारों को संबल दिया, जिस बदलाव को स्त्री शक्ति ने महसूस किया। स्त्री भारतीय परिवारों की धुरी है। भारतीय राजनीति में स्त्री को इस तरह से केंद्र में रखकर कभी विचार नहीं किया गया। यह बात रेखांकित करना चाहिए कि आखिर देश की राजनीति में स्त्री के सवाल हाशिए पर क्यों रहे हैं? स्त्री आखिर चाहती क्या है? वह चाहती है सुखद, सुरक्षित, आनंदमय जीवन और अपने बच्चों का सुनहरा भविष्य। एक अदद छत जिसमें वह अपने परिवार के साथ चैन से रह सके। नरेंद्र मोदी ने सामान्य भारतीय स्त्री के इस मन और जीवन की समस्याओं को संबोधित किया। स्त्री को सुरक्षित परिवेश और बेटियों को आसमान छूने की प्रेरणा दी। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ सिर्फ नारा नहीं एक सामाजिक संकल्प बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बहुत सामान्य परिस्थितियों से आगे बढ़े हैं। वे परिवारों को चलाने वाली स्त्री के दर्द, उसकी जरूरतों को समझने वाले राजनेता हैं। उज्जवला गैस जैसे योजना उनके संवेदनशील मन की गवाही देती है। लकड़ियां लेटर आने,गोबर के उपलों से खाना बनाती स्त्री, उसके कष्ट सब नहीं समझ सकते। धुएं के नाते उसको होने वाले स्वास्थ्यगत नुकसान को भी सब नहीं समझ सकते। बात छोटी है,पर संवेदना बहुत बड़ी। इसी तरह शौचालय न होने के कारण स्त्री के कष्ट से हर घर शौचालय का विचार एक क्रांतिकारी कदम था। यह मुद्दा महिला सुरक्षा ,स्वास्थ्य और स्वच्छता सबसे जुड़ा हुआ मुद्दा है। मध्यप्रदेश ने केंद्र की सभी योजनाओं का श्रेष्ठ क्रियान्वयन किया। इस पहल ने देश और प्रदेश में परिवर्तन का सूत्रपात किया। प्रधानमंत्री आवास योजना इसी दिशा में उठाया गया एक ऐसा कदम था, जिसने परिवार को छत दी। आप लाख कहें महिला के लिए उसके घर से बड़ी कोई चीज नहीं होती। यह बहुत भावनात्मक विषय है, जो सामान्य मन से समझ में नहीं आएगा। कोरोना संकट में देश और उसके नागरिकों की अभिभावक की तरह चिंता करके प्रधानमंत्री ने लोगों के मन में जगह बना ली। वैक्सीन से लेकर 80 करोड़ परिवारों को राशन ने स्त्रियों के मन में सरकार के प्रति भरोसा जगाया।

स्त्री कल्याण की योजनाएं मध्यप्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को 'मामा' के रूप में स्थापित कर गयीं। शिवराज जी मध्यप्रदेश में इसी लोकप्रियता के कारण अपनी सीट आठ लाख से ज्यादा मतों से जीते और मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी सफ्लता मिली। भाजपा मध्यप्रदेश की सरकार सामाजिक कल्याण की योजनाएं और केंद्र की योजनाओं ने कमाल किया। भरोसा पैदा किया। मोदी ने 2014 में सत्ता में आते ही अपनी सरकार को गरीबों के कल्याण के समर्पित होने की 'घोषणा' की थी। यह घोषणा बाद के 10 सालों में 'संकल्प' सरीखी नजर आई। भरोसा जगाते हुए मोदी देश के दिल में उतरते चले गए। मध्यप्रदेश में नरेंद्र मोदी के प्रति गहरा प्रेम और सम्मान तब भी प्रकट हुआ, जब विधानसभा चुनावों में भाजपा ने अभूतपूर्व जनादेश प्राप्त किया। इसके लिए पीएम ने सार्वजनिक मंच पर प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा की पीठ भी ठोंकी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने साफ कहा कि महिला कल्याण की कोई योजना बंद नहीं होगी। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी भी लालड़ी बहना योजना को चुनावों में प्रभावित करने वाला बताते हैं।

संसद और विधानसभाओं के लिए महिला आरक्षण बिल पास करवाना भी केंद्र सरकार की बहुत बड़ी उपलब्धि रही। लंबे समय से लंबित यह बिल अनेक सरकारों के प्रयास के बाद भी पास नहीं हो सका था। मोदी सरकार की स्त्री मुद्दों पर प्रतिबद्धता भी इससे जाहिर हुई। साथ ही इस संसदीय चुनाव में देश में भाजपा ने 69 महिलाओं को टिकट दिया। कांग्रेस ने 41 महिला प्रत्याशी उतारे।? संकेत और संदर्भ राजनीति को प्रभावित करते हैं। ऐसे में भाजपा की ओर स्त्री शक्ति का आकर्षण सहज ही है। आंकड़े बताते हैं कि हर वर्ग की महिलाओं में भाजपा की लोकप्रियता किसी अन्य दल से ज्यादा है। मोदी वैसे भी सामान्य रूप से सभी वर्गों के आकर्षण के केंद्र हैं। महिलाओं और युवाओं में उनकी लोकप्रियता बहुत है। सही मायनों में भारतीय लोकतंत्र में बढ़ती महिलाओं की हिस्सेदारी और उनका वोट प्रतिशत बड़े बदलाव का सूचक है। राष्ट्रपति के रूप में श्रीमती द्रोपदी मुर्मू के चुनाव ने राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं को प्रेरित किया। नरेंद्र मोदी ने 'आकांक्षावान भारत' की उम्मीदों को पंख लगा दिए हैं। अपने बच्चों के उज्जवल भविष्य को लेकर महिलाएं सदैव चिंतित रहती हैं। अपने विकास केंद्रित विजन से मोदी सरकार भविष्य के आत्मविश्वासी भारत की नींव रख चुकी है। भरोसा यहीं से आता है। महिलाएं जानती हैं यह मोदी की गारंटी है, पूरी होनी चाहिए। स्त्री शक्ति के इस सहयोग और आशीर्वाद के बाद मोदी सरकार की जिम्मेदारियां बहुत बढ़ गई हैं, देखना है केंद्र सरकार आने वाले समय में इन प्रश्नों को किस तरह संबोधित करती है। फ्लिहाल तो देश की जनता और स्त्री शक्ति के जनादेश से सत्ता में आई एनडीए सरकार को शुभकामनाएं ही दी जा सकती हैं।

मध्यप्रदेश ने साबित किया है कि सत्ता और संगठन में समन्वय से ही अच्छे परिणाम पाए जा सकते हैं। महिलाओं को अपने साथ गोलबंद कर भाजपा ने अपना आधार मध्यप्रदेश में बहुत मजबूत कर लिया है। महिला आरक्षण बिल के बाद निश्चित ही आने वाले समय में राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए महिलाओं को आगे आना ही होगा। ऐसे में मध्यप्रदेश में होने वाले संगठनात्मक प्रयोग अन्य राज्यों के लिए भी सबक होंगे।

मोदी या गठबंधन एजेंडे से चलेगी सरकार

अजीत द्विवेदी

सरकार गठन के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मविश्वास लौट आया है। नतीजों से जो सेटबैक लगा था वे उससे उबर गए दिखते हैं। उन्होंने अपने हिसाब से सहयोगी पार्टियों को हैंडल किया है। अपने हिसाब से उनको मंत्री पद दिए हैं और कामचलाऊ विभाग देकर उनको निपटाया है। इसके बावजूद ऐसा लग रहा है कि तीसरी सरकार भाजपा के या स्वंय मोदी के एजेंडे से नहीं चलेगी, बल्कि गठबंधन के एजेंडे से चलेगी। भले गठबंधन की सरकार में 82 फीसदी सांसद भाजपा के हैं और वह उस तरह से सहयोगी पार्टियों पर निर्भर नहीं है, जैसी मनमोहन सिंह की सरकार थी या उससे पहले अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार थी।

इसके बावजूद मोदी को कामकाज में बहुत संतुलन बनाने की जरुरत होगी क्योंकि दूसरी ओर विपक्ष भी पहले के मुकाबले बहुत ज्यादा मजबूत और एकजुट है। तभी ऐसा लग रहा है सरकार तमाम विवादित एजेंडे को स्थगित कर सकती है। हालांकि मुश्किल यह है कि भाजपा को भी राज्यों में चुनाव लड़ना है और पांच साल बाद अपना एजेंडा लेकर जनता के बीच जाना होगा। तभी यह देखना दिलचस्प होगा कि विवादित मुद्दों या जिन मुद्दों पर आम सहमति नहीं है उनको लेकर सरकार का क्या रुख होता है। सरकार उसे ठंडे बस्ते में डालती है या सहयोगियों पर दबाव बना कर अपने एजेंडे को आगे बढ़ाती है? सरकार के लिए सबसे पेचीदा मामला परिसीमन और महिला आरक्षण का हो गया है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के आखिरी साल में नारी शक्ति वंदन कानून पास कराया। संसद की नई इमारत में यह पहला कानून था, जिसका बिल पेश किया गया था। मोदी सरकार ने इस बिल को उस रूप में पेश नहीं किया, जिस रूप में इसे पहले एक सदन की मंजूरी मिल चुकी थी। सरकार नया मसौदा ले आई, जिसमें यह शर्त जुड़ी हुई है कि परिसीमन के बाद 2029 में महिला आरक्षण को लागू किया जाएगा। महिला आरक्षण से किसी को समस्या नहीं है। सरकार और उसकी सहयोगी पार्टियों के अलावा विपक्षी पार्टियां भी महिला आरक्षण के समर्थन में हैं। लेकिन परिसीमन का विरोध तय है। विपक्ष के साथ साथ सरकार की कई सहयोगी पार्टियां भी परिसीमन का विरोध कर सकती हैं।

अभी तक यह कहा जा रहा है कि जनसंख्या के आधार पर परिसीमन होगा, जिसमें दक्षिण भारत से लोकसभा सीटों की संख्या कम हो सकती है और उत्तर भारत के राज्यों में सीटें बढ़ सकती हैं। तभी दक्षिण भारत की पार्टियां जनसंख्या के आधार पर परिसीमन का विरोध करती हैं। ध्यान रहे आंध्र प्रदेश की टीडीपी और कर्नाटक की जेडीएस दोनों सरकार का समर्थन कर रहे हैं लेकिन परिसीमन पर इनका समर्थन हासिल करना आसान नहीं होगा। सो, यह सरकार को उलझाने वाली स्थिति है और उसने तय किया हुआ है कि 2029 के चुनाव तक परिसीमन हो जाएगा और महिला आरक्षण लागू किया जाएगा।

इसी तरह भाजपा ने पूरे देश में समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी लागू करने का वादा किया है। उत्तराखंड सरकार ने जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में बनी कमेटी की सिफारिशों के आधार पर इसे अपने राज्य में लागू कर दिया है। भाजपा ने इसे अपने चुनाव घोषणापत्र में भी शामिल किया है और इस बार के चुनाव प्रचार में प्रधानमंत्री से लेकर केंद्रीय गृह मंत्री तक सभी इसका वादा करते रहे हैं। लेकिन सरकार बनने से पहले ही भाजपा की सहयोगी जनता दल यू ने कहा कि इस पर सबकी सहमति बनाने की जरुरत है। ऐसा लग रहा है कि धर्म के मामले में दखल देने वाला कोई भी कानून लाना अब संभव नहीं होगा।

मुस्लिम आरक्षण खत्म करने की बातें भी ठंडे बस्ते में जाएंगी क्योंकि जनता दल यू और टीडीपी दोनों इसके पक्ष में हैं। हालांकि भाजपा की ओर से आधिकारिक रूप से नहीं कभी नहीं कहा गया है कि लेकिन उसके समर्थक वक्फ बोर्ड कानून में बदलाव और धर्मस्थल कानून की समाप्ति की बात भी कर रहे थे। कहा जा रहा था कि चार सौ सीटें आएंगी तो वक्फ बोर्ड कानून को बदल कर वक्फ की सारी संपत्ति सरकार ले लेगी और नरसिंह राव सरकार के समय बना धर्मस्थल कानून बदल दिया जाएगा ताकि कथित तौर पर हिंदू मंदिरों के स्थान पर बने मस्जिदों को वापस हासिल किया जा सके। ऐसी कोई भी बात अब सरकार के एजेंडे में नहीं होगी।

लेकिन ऐसा नहीं है कि काशी और मथुरा का मसला रूक जाएगा। ध्यान रहे इसमें सरकार कुछ नहीं कर रही है। जो कुछ भी हो रहा है कि वह अदालत के आदेश से हो रहा है। वाराणसी की अदालत ने काशी की ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे करने और तहखाने में श्रृंगार गौरी की पूजा करने की अनुमति दी। इस पर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने भी रोक नहीं लगाई। इसी तरह मथुरा की शाही ईदगाह का भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण यानी एएसआई से सर्वे कराने का आदेश भी मथुरा की अदालत ने दिया है। उधर मध्य प्रदेश के धार में भोजशाला और कमाल मौला मस्जिद के सर्वे का आदेश भी अदालत ने दिया है। इसमें सरकार कुछ नहीं कर रही है।

वह सिर्फ अदालत के आदेश के पालन कर रही है। अगर अदालती कार्रवाई मंथर गति से भी चलती रहती है तो यह मामला सुलगता रहेगा। अंदर अंदर उबाल बना रहेगा। अदालती कार्रवाई में दखल देने के लिए सहयोगी पार्टियां सरकार पर दबाव नहीं डाल पाएंगी। ध्यान रहे विपक्ष खुद ही कहता है कि अयोध्या में राममंदिर का श्रेय सरकार को नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह अदालत के आदेश से बना है। इसका मतलब है कि विवादित जगहों को लेकर अदालत का आदेश आता है तो विपक्ष भी उसे मानने को तैयार है। इसी तरह 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के एजेंडे में भी दिक्कत नहीं है। महिला आरक्षण और परिसीमन के साथ यह तीसरा मुद्दा है, जिसे 2029 में लागू करने का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा किया है। इसके लिए उनकी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय कमेटी बनाई थी, जिसने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इसने चरणबद्ध तरीके से काम शुरू करने और 2029 में देश के सारे चुनाव एक साथ कराने की सिफारिश की है।

जिस समय कोविंद कमेटी इस मसले पर देश की सभी पार्टियों से राय मांग रही थी उस समय नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यू ने इसका समर्थन किया था। तेलुगू देशम पार्टी को भी इसमें कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए क्योंकि आंध्र प्रदेश में तो विधानसभा के चुनाव लोकसभा के साथ ही होते हैं। सो, अगर भाजपा की ये दोनों बड़ी सहयोगी पार्टियां सहमत होती हैं तो सरकार के सारे चुनाव एक साथ कराने के एजेंडे पर आगे बढ़ने में कोई दिक्कत नहीं होगी। सो, कुछ राजनीतिक मसले तो गठबंधन की सरकार के बावजूद आगे बढ़ेंगे लेकिन परिसीमन, यूसीसी या धर्म से जुड़े मुद्दों पर सरकार के लिए सहमति बनाने की मजबूरी होगी।

व्यक्ति की इन आदतों से हो जाते हैं शनिदेव नाराज

शनिदेव को हिन्दू धर्म में न्यायप्रिय देवता और दंडनायक माना गया है। व्यक्ति को उसके कर्मों के अनुसार फल देना शनिदेव के अंतर्गत आता है। इसी कारण से शास्त्रों में शनिदेव को कैसे प्रसन्न किया जाए इसके बारे में भी बताया गया है। इसके अलावा, शास्त्रों में इस बात का भी उल्लेख मिलता है कि शनिदेव को व्यक्ति की कौन सी आदतें पसंद नहीं हैं जिनके कारण वह क्रोधित हो जाते हैं। आइये जानते हैं ज्योतिषाचार्य से इस बारे में विस्तार से।

बाथरूम और रसोई को साफ न करना

बाथरूम-टॉयलेट में राहु ग्रह का अधिकार माना गया है। वहीं, रसोई में मां अन्नपूर्णा का निवास होता है। ऐसे में अगर घर का टॉयलेट, बाथरूम या घर की रसोई स्वच्छ न हो तो शनिदेव नाराज हो जाते हैं। इसी कारण से कहा जाता है कि रोजाना बहरूम, टॉयलेट और रसोई की साफ सफाई करनी चाहिए।

किसी से लिए हुए पैसे न लौटाना

अगर आपने किसी से पैसे उधार लिए हैं और समय पर लौटाए नहीं है तो इस आदत से भी शनिदेव नाराज हो जाते हैं। कभी-कबार की बात अलग है, लेकिन अगर आप हमेशा ही ऐसे करते हैं तो यह उचित नहीं है। इससे न सिर्फ शनिदेव बल्कि सभी अन्य ग्रह भी रुष्ट हो सकते हैं।

पैर को घसीटते हुए चलना

कुछ लोगों की आदत होती है पैर को उठाकर चलने की बजाय घसीटते हुए चलने की। ऐसा कहा जाता है कि पैर घसीटकर चलना एक प्रकार से शनिदेव का अपमान करने के समान है क्योंकि शनिदेव की चाल धीमी और आघात लगने के कारण घसीटकर चलने वाली है।

बैठे-बैठे पैर हिलाते रहना

कुछ लोगों की आदत होती है कि वह बैठ कर काम कर रहे हों या फिर खाली बैठे हों, अपने पैरहिलाते रहेंगे। इस आदत से भी शनिदेव क्रोधित होते हैं। हर समय पैर हिलाने से राहु को बल मिलता है और राहु का दुष्प्रभाव बढ़ने लगता है।

लड्डू गोपाल हैं आपसे प्रसन्न तो मिलते हैं ये संकेत

आप में से बहुत से लोगों के घर लड्डू गोपाल की सेवा होती होगी। लड्डू गोपाल की सेवा से जुड़े कई नियम शास्त्रों में वर्णित है। ऐसा माना जाता है कि इन नियमों का पालन अवश्य करना चाहिए नहीं तो लड्डू गोपाल की सेवा में दोष लगता है। इसके अलावा, शास्त्रों में यह भी उल्लेख मिलता है कि जब लड्डू गोपाल नाराज होते हैं या किसी व्यक्ति से प्रसन्न होते हैं तो कई प्रकार के संकेत उस व्यक्ति को मिलने लगते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कि आखिर किन संकेतों से यह पता चलता है कि लड्डू गोपाल आपसे खुश हैं।

इन चीजों के बिना घर में नहीं रखने चाहिए लड्डू गोपाल?

आजकल ज्यादातर घरों में लड्डू गोपाल देखने को मिल जाते हैं। लोग पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ लड्डू गोपाल को अपने घर ले जाते हैं और उनकी सेवा करते हैं। हालांकि लड्डू गोपाल की सेवा के दौरान कुछ नियमों का पालन आवश्यक माना गया है। इन नियमों की अनदेखी करने से लड्डू गोपाल की सेवा में दोष पैदा होता है और उनकी सेवा की विधि दूषित हो जाती है। घर में लड्डू गोपाल को कुछ चीजों के बिना बिलकुल बी स्थापित नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे उनकी सेवा में बाधा आती है और पूजा का पूरा फल भी नहीं मिलता है।

घर में बंसी के बिना न रखें लड्डू गोपाल

बंसी श्री कृष्ण की प्रिय मानी जाती है। लड्डू गोपाल श्री कृष्ण का बाल स्वरूप हैं। ऐसे में उन्हें घर में बिना बंसी (बंसी के उपाय) के स्थापित करना उचित नहीं माना गया है।

घर में पालने के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की सेवा बालक के रूप में की जाती है। ऐसे में अगर लड्डू गोपाल को घर लाना है तो पहले घर में पालना अवश्य लगाना चाहिए।

घर में मंदिर के बिना न रखें लड्डू गोपाल

कई लोग लड्डू गोपाल को मंदिर में रखने के बजे अपने कमरे में ही स्थापित कर देते हैं। बिना मंदिर के लड्डू गोपाल को घर में नहीं रखना चाहिए।

श्री राधा के बिना न रखें लड्डू गोपाल

लड्डू गोपाल की मूर्ति घर में रखना चाहते हैं तो साथ में श्री राधा रानी के बाल स्वरूप की प्रतिमा भी अवश्य स्थापित करें। बिना राधा कृष्ण कहां।

लड्डू गोपाल के खुश होने के संकेत

लड्डू गोपाल जब प्रसन्न होते हैं तो इसका सबसे पहले संकेत तुलसी के माध्यम से मिलता है। अगर आपके घर में तुलसी का पौधा लगा हुआ है तो वह पौधा अपेक्षा से ज्यादा ही तेजी से बढ़ने लगेगा। इसके अलावा, तुलसी की पत्तियां हरी से बैंगनी होनी शुरू हो जाएंगी क्योंकि बैंगनी रंग की पत्तियों को श्यामा तुलसी कहा जाता है।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको हर पल उनके पास होने का आभास होना शुरू हो जाएगा। इसके अलावा, जब भी आपका मन परेशान होगा तो आपको बांसुरी की धुन बजती से महसूस होगी। आपको ऐसा लगेगा कि स्वयं लड्डू गोपाल आपके पास बैठकर बांसुरी बजा रहे हैं। आपको उनका स्पर्श महसूस होने लगेगा।

लड्डू गोपाल अगर आपसे प्रसन्न हैं तो आपको आपके घर में दिव्य ऊर्जा का आभास होने लगेगा। इसके अलावा, अगर आपके घर में कहीं से अचानक मोरपंख आ गिरे या आपको अचानक ही मोर के दर्शन हो जाएं तो यह भी एक संकेत है कि लड्डू गोपाल न सिर्फ आपसे प्रसन्न हैं बल्कि वह हर कदम पर आपके साथ हर स्थिति में हैं।

लड्डू गोपाल को किन-किन चीजों से स्नान कराना चाहिए?

हम से बहुत से लोगों के घर में लड्डू गोपाल स्थापित होंगे। ऐसा माना जाता है कि लड्डू गोपाल स्वयं जिससे अपनी पूजा-सेवा करवाना चाहते हैं सिर्फ उसी के मन में प्यार का भाव जगाते हैं। अगर लड्डू गोपाल को किसी से अपनी सेवा-पूजा नहीं करवानी है तो वह लाख कोशिश क्यों न करे उसे लड्डू गोपाल को घर लाने का मौका नहीं मिल पाता है। वहीं, लड्डू गोपाल की पूजा की बात करें तो शास्त्रों में पूजा-सेवा से जुड़े कई नियम बताये गए हैं। वहीं, लड्डू गोपाल के स्नान के बारे में भी बहुत कुछ वर्णन मिलता है, जैसे कि लड्डू गोपाल को कब स्नान कराना चाहिए, किसी विधि से स्नान कराना चाहिए और किन-किन वस्तुओं से स्नान कराना चाहिए।

लड्डू गोपाल को कराएं गोपीचंदन से स्नान

गोपी चंदन लड्डू गोपाल का अति प्रिय माना जाता है। ऐसे में लड्डू गोपाल को रोजाना गोपी चंदन (चंदन के उपाय) से स्नान कराना चाहिए। गोपी चंदन से स्नान कराने से न सिर्फ लड्डू गोपाल प्रसन्न होते हैं बल्कि उनकी नित्य रूप से शुद्ध बनी रहती है।

लड्डू गोपाल को कराएं केसर से स्नान

लड्डू गोपाल को स्नान कराते समय केसर का प्रयोग भी किया जा सकता है। केसर से स्नान कराने से लड्डू गोपाल का मन हर्षित रहता है और उनकी कृपा से घर में शुभता एवं सकारात्मकता बनी रहती है। घर में खुशहाली का आगमन होता है।

लड्डू गोपाल को कराएं पंचामृत से स्नान

लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराना भी शुभ माना जाता है। हालांकि रोजाना पंचामृत का प्रयोग करने पर मनाही है। पंचामृत से स्नान मात्र मंदिरों में रोजाना होता है। घर में लड्डू गोपाल को उत्सव पर ही पंचामृत स्नान कराना चाहिए।

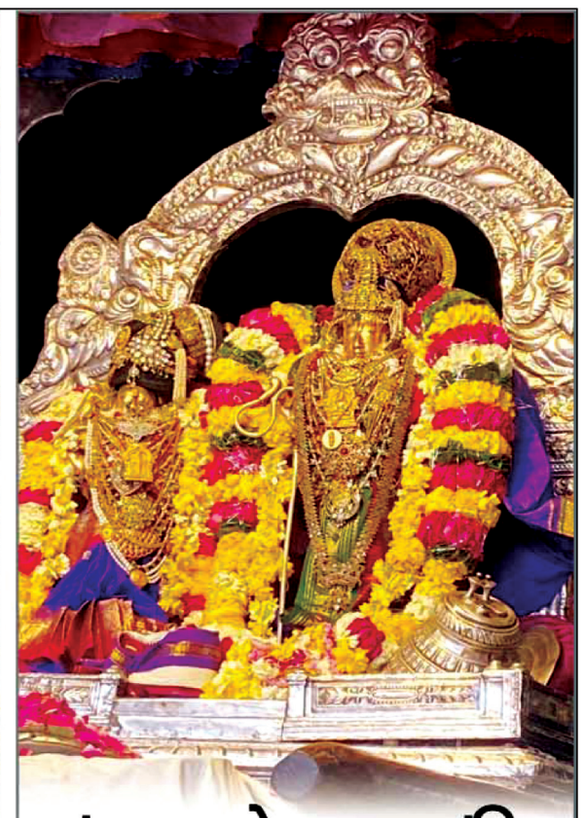

वृंदावन के इस मंदिर में होते हैं भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम के दर्शन

चौरासी कोस में समाये ब्रज का गढ़ है वृंदावन धाम जहां की हर एक गली और मंदिर श्री कृष्ण की लीलाओं की छवि समेटे हुए है। वृंदावन में कई ऐसे मंदिर या स्थान हैं जो रहस्यमयी हैं और चात्मकारों की कहानियों से परिपूर्ण हैं। ऐसा ही एक मंदिर और है जिसके लिए यह कहा जाता है कि इस मंदिर में से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम का मार्ग जाता है।

वृन्दावन का रहस्यमयी मंदिर वृन्दावन में एक मंदिर ऐसा भी है जो दक्षिण शैली के आधार पर निर्मित है। इस मंदिर का नाम है रंगनाथ मंदिर। ब्रज में इस मंदिर (मंदिर जानें के लाभ) को रंगजी मंदिर के नाम से जाना जाता है। इस मंदिर में भगवान रंगनाथ स्थापित हैं। इस मंदिर में मौजूद एक ऐसे द्वार के बारे में सुनने को मिलता है जो साल में मात्र एक बार खुलता है। यह द्वार वैकुण्ठ द्वार के नाम से जाना जाता है। मान्यता है कि इस द्वार के पीछे से भगवान विष्णु के वैकुण्ठ धाम तक का मार्ग जाता है। यही कारण है कि इस द्वार को वैकुण्ठ द्वार कहा जाता है। सिर्फ वैकुण्ठ द्वादशी के दिन इस द्वार को खोला जाता है। वैकुण्ठ (वैकुंठ और गोलोक धाम में अंतर) द्वादशी के दिन ही रंगनाथ भगवान इस द्वार से दर्शन देते हैं। इस द्वार को लेकर कई मान्यताएं भी हैं। एक मान्यता कहती है कि जो भी व्यक्ति मृत्यु को प्राप्त होता है अगर उसके पुण्यों के चलते उसे वैकुण्ठ धाम की प्राप्त होती है तो उसकी आत्मा विश्व में कहीं भी हो वह रंगजी मंदिर के इस वैकुण्ठ द्वार से भगवान विष्णु के धाम जाती है। दूसरी मान्यता यह है कि जो भी व्यक्ति इस वैकुण्ठ धाम के दर्शन कर लेता है उसे जीवन भर भगवान विष्णु का साथ और सानिध्य प्राप्त होता है। भगवान विष्णु की कृपा हमेशा उस व्यक्ति पर बनी रहती है।

क्या घर में रख सकते हैं पारद शिवलिंग?

शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है।

आप में से बहुत से लोग ऐसे होंगे जो घर में शिवलिंग की स्थापना करना चाहते होंगे या जिन्होंने घर में शिवलिंग की स्थापना की होगी। शास्त्रों में शिवलिंग स्थापना से जुड़े कई नियम बताये गए हैं और ऐसा माना जाता है कि अगर इन नियमों का पालन न किया जाए तो इससे पूजा में दोष उत्पन्न होता है। साथ ही, भगवान शिव भी नाराज हो जाते हैं। इसके अलावा, शिवलिंग स्थापना में गलती वास्तु दोष को भी जन्म देती है। शास्त्रों में बताया गया है कि शिवलिंग की घर में स्थापना करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि किस धातु का शिवलिंग घर में लाना शुभ होता है।

धर्म शास्त्रों के अनुसार, घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करना शुभ माना जाता है। ऐसा शिवलिंग जो पारे और चांदी को मिलाकर बना हो, उसकी स्थापना से घर में सकारात्मकता का संचार होता है और पूजा में किसी प्रकार का कोई दोष भी नहीं लगता है। इसके अलावा, चांदी और पारे से बना शिवलिंग घर में ग्रहों की स्थिति मजबूत करता है। घर में ग्रह दोष उत्पन्न हो गया हो या फिर कुंडली में ग्रहों की स्थिति कमजोर हो तो ऐसे में पारद शिवलिंग की स्थापना घर में अवश्य करनी चाहिए। इससे शुभता आती है।

पारद शिवलिंग की घर में स्थापना करने से चंद्रमा की शुभता सबसे अधिक मिलती है क्योंकि चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। चंद्रमा की स्थिति शुभ होती है तो व्यक्ति को मानसिक बल मिलता है। निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है और तनाव दूर होने लगता है।

कभी भी दक्षिण में न लगाएं तुलसी के पौधा

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है। वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं। वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है। गंदे कपड़े पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें। घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है।

कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

संक्षिप्त समाचार

पोलेंड के सोशल मीडिया स्टार को अर्जेंटीना पुलिस ने पकड़ा

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना पुलिस ने पोलेंड के एक सोशल मीडिया स्टार को गिरफ्तार किया है। दरअसल, पोलिश नागरिक अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स शहर में बिना रस्सी के 30 मंजिला इमारत पर चढ़ने की कोशिश कर रहा था। युवक बिल्डिंग की 25वीं मंजिल तक चढ़ चुका था, जिसके बाद उसे उतारा गया। जानकारी के अनुसार, युवक ने अर्जेंटीना के फुटबॉल टीम की जर्सी पहनी हुई थी। वह बिल्डिंग पर चढ़ रहा था, जिसे देख नीचे खड़े लोग चिल्ला रहे थे। इस दौरान बिल्डिंग के अंदर से किसी ने आपातकालीन सेवाओं को कॉल किया, जिसके बाद 30 से अधिक अग्निशमन विभाग कर्मचारी, पुलिस और एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई और युवक को सुरक्षित नीचे उतारा। पुलिस ने पूछताछ की तो पता चला कि युवक का नाम मार्सिन बैनोट है। पुलिस ने बैनोट को गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें जुर्माना भरना पड़ सकता है क्योंकि बचाव अभियान की लागत काफी अधिक है। बैनोट ने इससे पहले भी कई बार स्टंट किए हैं। सोशल मीडिया पर उनके लाखों फॉलोअर्स हैं। बैनोट ने पिछले सप्ताह भी इसी इमारत पर चढ़ने की कोशिश की थी हालांकि, उस वक्त पुलिस ने उसे हटा दिया था।

चीनी नौसेना का पूर्व कैप्टन भागकर पहुंचा ताइवान, व्यक्ति की घुसपैठ से मची खलबली

बीजिंग। चीनी नौसेना का पूर्व कैप्टन स्पीडबोट से ताइवान की राजधानी तक पहुंच गया। उसके इस कदम ने ताइवान की नौसेना को चकित कर दिया। उसने स्पीडबोट को सीधे ताइपे के बाहर एक घाट पर खड़ा किया। चीन के साथ लगातार बढ़ते तनाव के बीच किए गए उच्च सुरक्षा उपायों के बावजूद चीन के व्यक्ति की घुसपैठ की ताइवान के नेताओं ने आलोचना की है। ताइवान को चीन अपनी मुख्य भूमि का भाग मानता है और उसके एकीकरण करने के लिए शक्ति प्रदर्शन करता रहता है। चीनी नौसेना के पूर्व कैप्टन 60 वर्षीय रुआन को न्यू ताइपे में तमसुई के तट से 11 किलोमीटर दूर देखा गया। चीनी नौसेना का पूर्व कैप्टन होने का दावा करने वाले रुआन ने कहा कि एक दिन पहले वह चीन के तटीय शहर फूजौ में निंगडे बंदरगाह से रवाना हुआ था। हालांकि ताइवान के तटरक्षक ने कहा कि नाव पर कोई खाद्य या पेय पदार्थ नहीं मिला। उसपर ताइवान के कानून का उल्लंघन और आव्रजन अधिनियम तोड़ने का आरोप लगाया गया है।

अवैध हथियार के मामले में बेटे के दोषी पाए जाने पर बाइडन बोले- न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करेंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अपने बेटे हंटर को अवैध हथियार खरीदने मामले में दोषी पाए जाने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने मंगलवार को कहा है कि वह न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करेंगे। बाइडन का बेटा हंटर पहले एक ड्रग एडिक्ट भी था। बाइडन ने बयान देते हुए कहा, 'मैं राष्ट्रपति हूं लेकिन इसके साथ एक पिता भी हूं। कई परिवार जिनके प्रियजन नशे की लत से जूझ रहे हैं। वो लोग इस भावना को समझ सकते हैं कि नशे की लत से बाहर आना और फिर मजबूती के साथ उबरना क्या होता है।' बाइडन ने आगे कहा, जो कुछ भी इस केस में परिणाम आएगा मैं न्यायिक प्रक्रिया का पूरा सम्मान करूंगा। हंटर बाइडन के खिलाफ नशीले पदार्थों का सेवन करते हुए बंदूक रखने से जुड़े तीन मामलों में सुनवाई चल रही थी। हंटर ने ज्यूरी के सामने खुद को निर्दोष साबित करने की कोशिश की थी। अमेरिका की विलमिंगटन, डेलावेयर, संघीय अदालत ने उन्हें दो मामलों में दोषी करार दिया है। संघीय अदालत की 12 सदस्यीय ज्यूरी ने सर्वसम्मति से यह फैसला सुनाया। अमेरिका में ऐसा पहली बार हुआ है, जब मौजूदा राष्ट्रपति के बेटे को किसी अपराध में दोषी पाया गया है। खास तौर पर अमेरिका में चुनाव से ठीक पहले हंटर बाइडन को दोषी करार दिया जाना उनके पिता जो बाइडन की मुश्किलें बढ़ा सकता है। हंटर बाइडन को दो मामलों में दोषी ठहराया गया है। पहले मामले में उन पर आरोप था कि उन्होंने एक फॉर्म में झूठी जानकारी देकर कोल्ट कोबरा रिवॉल्वर खरीदी। दरअसल, अमेरिका में किसी भी बंदूक को खरीदते समय खरीदार से एक जरूरी सवाल पूछा जाता है कि वह नशे के आदी तो नहीं हैं? आरोप है कि हंटर ने इस सवाल का गलत जवाब दिया था।

पाकिस्तान सरकार के साथ बातचीत करने को तैयार इमरान खान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान अब सरकार के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष गौहर खान ने दावा किया है कि इमरान खान के साथ जो कुछ हुआ, वे उसे माफ करने के लिए तैयार हैं।

गौहर खान ने कहा कि उन्होंने पीटीआई के संस्थापक से बातचीत की आवश्यकता पर जोर दिया क्योंकि इमरान खान की राजनीति से लगातार दूरियां बढ़ रहीं थीं। गौहर ने बताया कि इमरान खान इस बात पर सहमत हो गए हैं। गौहर के अनुसार पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री भी चाहते हैं कि मौजूदा सरकार से बातचीत के रास्ते खुलें। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इमरान खान के साथ जो कुछ भी हुआ, वे उसे माफ करने के लिए तैयार हैं।

पीटीआई के संस्थापक इमरान खान को 10 महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद से वे रावलपिंडी की अदियाला जेल में कैद हैं। जब गौहर खान से पूछा गया कि क्या सुप्रीम कोर्ट की सलाह के मुताबिक बातचीत होगी? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा दिए गए विकल्प भी विचार किया जाएगा। गौहर खान ने इस बात पर भी जोर दिया कि पीटीआई ने खुद यह फैसला लिया है कि सरकार से बातचीत की जाएगी। गौहर खान ने आगे यह भी कहा कि उनकी पार्टी पहले पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के प्रमुख महमूद खान अचकजई से बात करेगी और उसके बाद सरकार से बातचीत शुरू की जाएगी। गौहर के अनुसार 'पश्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी का अन्य पार्टियों के साथ गठबंधन है और पीटीआई उन्हें विश्वास में लेगी। इस बातचीत की पहल पीटीआई द्वारा खुद की जा सकती है।

गाजा में युद्धविराम प्रस्ताव को यूएन की मंजूरी, बंधकों की रिहाई के बदले फलस्तीनी कैदियों को छोड़ने की योजना

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी। गाजा में आठ महीने से जारी युद्ध के रुकने के आसार बढ़ गए हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने सोमवार को गाजा में इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम योजना का समर्थन करने वाले अपने पहले प्रस्ताव को भारी बहुमत से मंजूरी दे दी। प्रस्ताव पर सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यों में से 14 ने पक्ष में वोट किया, जबकि रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

हमास ने मंगलवार को कहा कि वह यूएन के इस प्रस्ताव को स्वीकार करने को तैयार है। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा है कि हमास के रुख से युद्धविराम को लेकर उम्मीदें जगी हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा घोषित अमेरिका प्रायोजित प्रस्ताव की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मंजूरी का अमेरिका ने स्वागत किया है। उसका कहना है कि इसे इजरायल भी स्वीकार कर लेगा।

यूएन द्वारा मंजूर किए गए युद्धविराम प्रस्ताव में हमास द्वारा बंधकों की रिहाई के बदले युद्धविराम की योजना है। प्रस्ताव

में चरमपंथी फलस्तीनी समूह हमास और इजरायल से तीन चरण की योजना को बिना शर्त और देरी के स्वीकार करने का आह्वान किया गया है। यूएन के भारी बहुमत के इस प्रस्ताव से दोनों पक्षों पर दबाव बढ़ गया है।

हमास को खत्म करने के लिए इजरायल प्रतिबद्ध: अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन सोमवार को इजरायल में थे। उन्होंने पीएम बेंजामिन नेतन्याहू से युद्धविराम प्रस्ताव स्वीकार करने का अनुरोध किया और कहा कि इससे हमास पर भी अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ेगा। हालांकि, उस समय नेतन्याहू ने समझौते पर संदेह जताते हुए कहा कि इजरायल हमास को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमास ने कहा कि वह प्रस्ताव को अपनाने का स्वागत करता है और इजरायल पर दबाव डालने के लिए मध्यस्थों के साथ काम करने को तैयार है।

इस बीच, यूएन मानवाधिकार कार्यालय ने कहा है कि हमास के कब्जे से चार बंधकों की रिहाई को लेकर की गई इजरायल की कार्रवाई में नागरिकों की मौत को युद्ध अपराध माना जा सकता है।

वार्ता जारी, अगले दो दिन में बन सकती है सहमति- ब्लिंकन

अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने तेल अवीव में कहा कि युद्धविराम को लेकर मंगलवार को भी वार्ता जारी रही। उम्मीद है कि अगले दो दिनों में इस पर सहमति बन जाएगी। ब्लिंकन की अरब देशों की मौजूदा यात्रा से पहले दोनों पक्ष अपने कड़े रुख को छोड़ने को तैयार नहीं थे, लेकिन मंगलवार को हमास के वरिष्ठ नेता सामी अबू जुहरी ने कहा कि वह समझौता प्रस्ताव को स्वीकार करने को तैयार हैं, और विस्तृत योजना पर चर्चा को तैयार हैं। अब यह अमेरिका पर निर्भर है कि वह सुनिश्चित करे कि इजरायल भी इसका पालन करेगा। उन्होंने कहा कि बंधकों के बदले फलस्तीन कैदियों को छोड़ने और गाजा से इजरायली सैनिकों की वापसी का फार्मूला स्वीकार करता है। युद्धविराम की कोशिशों के बीच गाजा में संघर्ष जारी हैं। हमास ने कहा है वेस्ट बैंक के रामल्ला में इजरायली सेना से संघर्ष में हमास कमांडर जबेर आब्दो की तीन लड़ाकों के साथ मौत हो गई है। वहीं, इजरायल ने कहा है कि रफाह में छिपे हमास लड़ाकों की तलाश के दौरान इमरात में विस्फोट से उसके चार सैनिकों की जान गई है।

सात अक्टूबर को हमास आतंकवादी मचा रहे थे कत्लेआम तब..., इजरायली सैनिकों ने बताई डरा देने वाली दास्तां

यरूसलम एजेंसी। इजरायल रक्षा बल (आइडीएफ) के कमांडर मेजर ओमरी और सार्जेंट मेजर ताल ने पिछले साल सात अक्टूबर के हमलों को याद किया। उस दिन आतंकवादी संगठन हमास ने दक्षिण इजरायल पर हमला किया था, जिसमें सैकड़ों इजरायली मारे गए थे। सैकड़ों लोगों को बंधक बना लिया गया था। मेजर ओमरी आइडीएफ में बीते 11 वर्षों से काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि सात अक्टूबर को मैं अपने परिवार के साथ छुट्टी पर अपने घर में था। उस समय इजरायल में छुट्टियां थीं। हम सुबह छह बजे एक मिसाइल की तेज आवास से उठे, जो हमारे घर के ठीक पास दागी गईं थीं। हमारे घर के ठीक पास बमबारी हो रही थी। घर हिल रहा था। मैंन खिड़की से अपना सिर निकाला और अपने घर के पास एक बड़ा विस्फोट होते देखा।

ओमरी ने आगे बताया कि जैसे ही उन्होंने शोर सुना, वह अपनी वर्दी और बंदूक लेकर अपने देश की रक्षा करने के लिए आइडीएफ की मदद करने निकल पड़े। उन्होंने याद करते हुए कहा कि दक्षिण की ओर गाड़ी चलाते समय उन्होंने रेडियो पर सुना कि आतंकवादी गाजा पट्टी की सीमा के पास रहने वाले नागरिकों का कत्लेआम कर रहे हैं। जब मैं वहां पहुंचा तो मैंने बहुत सारे घायल लोगों और सैनिकों को देखा।

फिर मैनें फैसला किया कि मैं ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाऊंगा। उन्होंने बताया कि मैं नोवा पार्टी से बचकर भाग रहे लोगों की मदद की और उन्हें बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार दिया। ओमरी ने कहा, मैंने बहुत से लोगों को प्राथमिक चिकित्सा दी, जो मैदान में घायल हो गए थे।

53 वर्ष पहले लापता विमान का मलबा वर्मोन्ट की चैम्पलेन झील में मिला

न्यूयार्क, एजेंसी। वर्मोन्ट में 53 वर्ष पहले पांच लोगों को ले जा रहा एक निजी विमान लापता हो गया था, जिसका मलबा चैम्पलेन झील से बरामद किया गया है। विशेषज्ञों ने यह जानकारी दी। यह वाणिज्यिक विमान 27 जनवरी 1971 को बर्लिंगटन हवाई अड्डे से रोड आइलैंड के प्रोविडेंस के लिए उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद लापता हो गया था। विमान में जॉर्जिया विकास कंपनी कजन प्रॉपर्टीज के तीन कर्मचारी और चालक दल के दो सदस्य सवार थे। कंपनी के कर्मचारी बर्लिंगटन में एक विकास परियोजना पर काम कर रहे थे।

शुरुआत में जब खोज की गयी तो 10 सीट वाले इस विमान का मलबा नहीं मिला और विमान के लापता होने के बाद चार दिनों तक झील जमी रही। विमान का पता लगाने के लिए कम से कम 17 बार खोज अभियान चलाया गया। खोजकर्ता गैरी कोजाक और एक टीम ने पिछले महीने पानी के भीतर एक रिमोट से संचालित वाहन का उपयोग कर झील में उसी जगह विमान का मलबा पाया, जहां रेडियो कंट्रोल टॉवर ने विमान के लापता होने से पहले उसे आखिरी बार ट्रैक किया था। जूनिपर द्वीप के निकट 200 फुट (60 मीटर) पानी में मिले विमान के मलबे की सोनार तस्वीरें ली गईं।

कोजाक ने सोमवार को कहा, इन सभी सबूतों के साथ, हम 99 फीसदी पूरी तरह से आश्वस्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि विमान का मलबा मिलने से पीड़ित लोगों के परिवारों को थोड़ी राहत और उनके कई सवालों के जवाब मिलेंगे। पायलट जॉर्ज निकिता की संबंधी बारबरा निकिता ने मंगलवार को द एसोसिएटेड प्रेस से एक साक्षात्कार में कहा, विमान का मलबा मिलना एक सुखद अहसास है लेकिन यह उतना ही दिल को झकझोर कर रख देने वाला अहसास भी है। हम जानते हैं कि क्या हुआ था।

चीन ने ताइवान पर हमला किया तो अमेरिका करेगा काउंटर, बनाया जबरदस्त प्लान

बीजिंग एजेंसी। ताइवान पर चीन के बढ़ते दबाव व हमले की शंका पर अमेरिका के इंडो-पेसिफिक फ्लीट के कमांडर ने बड़ा बयान दिया है। अमेरिकी फ्लीट कमांडर कमांडर सैमुअल पपारो ने कहा कि चीन के ताइवान पर हमले के खिलाफ अमेरिका ने एक खास प्लान बनाया है, कमांडर सैमुअल पपारो ने दावा किया है कि अगर चीन ताइवान पर हमला करता है तो वह उसके खिलाफ ऑपरेशन हेलस्केप के जरिए काउंटर करेगा।

यूएस ने ये प्लान चीन के मिलिट्री ड्रिल के बाद बनाया है। चीन ने मिलिट्री ड्रिल के दौरान ताइवान की घेराबंदी की थी। चीन से ताइवान के मुख्य भूभाग की दूरी है करीब 100 मील है। चीन जैसे ही हमले शुरू करेगा वैसे ही ताइवान स्ट्रेट में अमेरिका हजारों ड्रोन भेजेगा।ये ड्रोन सतह पर, पानी के अंदर और आसमान में उड़ेंगे। ताइवान स्ट्रेट में अमेरिका के एक साथ भेजे हजारों ड्रोन चीन के वॉर शिप और फाइटर जेट को आगे बढ़ने से रोकेंगे।

इसके पीछे अमेरिका का चीनी वॉरशिप और फाइटर जेट को बेदम करने का प्लान है, जिसके जरिए वह ड्रैगन की घेराबंदी करेगा।इस प्लान से ताइवान के तट तक चीन को पहुंचने से एक महीने तक रोका जा सकेगा।इस प्लान से चीन को तब तक उलझाकर रखा जाएगा जब तक अमेरिकी मदद के लिए ताइवान के तट पर न पहुंच जाए। ताइवान में अमेरिका और ताइवान ने मिलकर कमांड सेंटर बनाया है।

हॉन्गकॉन्ग में निर्वासन में रह रहे छह लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं के पासपोर्ट रद्द

विक्टोरिया, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग ने अपने नए बनाए गए घरेलू सुरक्षा कानून के तहत विदेश में निर्वासन में रह रहे छह लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओं के पासपोर्ट रद्द कर दिए हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हॉन्गकॉन्ग सरकार ने उन्हें कानूनविहीन वांछित अपराधी कहा है। यहां की सरकार ने कहा कि पासपोर्ट रद्द करने के अलावा, इन लोगों को हॉन्गकॉन्ग में किसी भी व्यापारिक लेनदेन करने से रोक दिया गया है, जिसमें नकदी से लेकर सोने तक के वित्तीय लेनदेन शामिल हैं। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि ये कानूनविहीन वांछित अपराधी यूनाइटेड किंगडम में छिपे हुए हैं और राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने वाली गतिविधियों में शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, वे हॉन्गकॉन्ग विशेष प्रशासनिक क्षेत्र को बदनाम करने के लिए भयावह टिप्पणियां करते हैं। इसके अलावा, वे अपने बुरे कामों को बचाने के लिए बाहरी ताकतों के साथ सांठगांठ करते हैं। इसलिए हमने उन्हें झटका देने के लिए ऐसा कदम उठाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, हॉन्गकॉन्ग में राष्ट्रीय सुरक्षा अपराधों के आरोपी और पुलिस द्वारा वांछित छह लोगों में पूर्व विधायक नाथन लॉ, कार्यकर्ता फिन लाउ, श्रम अधिकार कार्यकर्ता क्रिस्टोफर मुंग, फॉक का-ची और

चोई मिंग-दा के साथ-साथ ब्रिटेन के वाणिज्य दूतावास के कर्मचारी साइमन चेंग भी शामिल हैं, जिन्हें अगस्त 2019 में चीन में 15 दिनों के लिए हिरासत में लिया गया था। सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि सरकार ने हॉन्गकॉन्ग के लोगों को यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई भी शख्स इन लोगों की वित्तीय सहायता करता है या इनके साथ किसी भी प्रकार का व्यापारिक लेन-देन करता है तो उसे अपराधी माना जाएगा। इसके लिए करीब सात साल जेल की सजा हो सकती है। गौरतलब है, ब्रिटेन ने 1997 में हॉन्गकॉन्ग को चीन को वापस सौंप दिया था। उस समय बीजिंग ने 50 वर्षों तक शहर की पश्चिमी शैली की नागरिक स्वतंत्रता को बनाए रखने का वादा किया था।

अमेरिका में अटलांटा के फूड कोर्ट में 3 लोगों पर फायरिंग, पुलिस ने हमलावर किया ढेर

अटलांटा, एजेंसी। अमेरिका के अटलांटा शहर स्थित एक फूड कोर्ट में मंगलवार अपराह्न एक बंदूकधारी ने तीन लोगों को गोली मार दी। घटना के बाद पुलिस के एक अधिकारी ने हमलावर को गोली मार दी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अटलांटा पुलिस प्रमुख डारिन शियरबाम के अनुसार, पीचट्री सेंटर फूड कोर्ट में हुई इस वारदात में सभी चार घायलों के जीवित बचने की संभावना है। इन चार लोगों में संदि?ग्ध हमलावर भी शामिल है। मेयर आंद्रे डिकेंस ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए हमलावर पर गोली चलाने वाले पुलिस अधिकारी की प्रशंसा की।

डिकेंस ने कहा, अगर पुलिसकर्मी वहां नहीं होता तो हालात और भी बदतर हो सकते थे। शियरबाम ने बताया कि गोलीबारी मंगलवार अपराह्न करीब दो बजकर 15 मिनट पर हुई। उन्होंने बताया कि जिन तीन लोगों को संदिग्ध हमलावर ने गोली मारी, उनमें ग्रेसन का रहने वाले 47 वर्षीय व्यक्ति, ईस्ट प्वाइंट की रहने वाली 69 वर्षीय महिला और अटलांटा की 70 वर्षीय महिला शामिल हैं। शियरबाम ने बताया कि संदिग्ध हमलावर दक्षिण अटलांटा के मोरो का रहने वाला 34 वर्षीय व्यक्ति है, जिसकी घायलों में से एक

के साथ मामूली कहासुनी हुई थी और उसने बंदूक निकालकर उस व्यक्ति को गोली मार दी।

शियरबाम ने बताया कि इसके बाद उसने दो अन्य लोगों को गोली मारी हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आरोपी घायलों को जानता था या नहीं। उन्होंने बताया कि चारों लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जिसमें से दो की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि फूड कोर्ट में सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले एक अधिकारी ने हमलावर को गोली मारकर घायल कर दिया।

यूक्रेन में तैनात होगा अमेरिका का एक और पैट्रियट मिसाइल, राष्ट्रपति जो बाइडन ने दी मंजूरी

वाशिंगटन, एजेंसी। यूक्रेन और रूस के बीच पिछले दो साल से अधिक समय से युद्ध जारी है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक और पैट्रियट मिसाइल प्राणली को यूक्रेन में तैनात करने के लिए मंजूरी दे दी है। बाइडन ने पिछले सप्ताह ही यह निर्णय लिया है। यूक्रेन अपने शहरों, बुनियादी ढांचों और बिजली ग्रिड पर रूसी हमलों को झेल रहा है। नई पैट्रियट मिसाइल पोलैंड से आएगी। पोलैंड में यह मिसाइल एक अमेरिकी टुकड़ी की रक्षा कर रही है। इसे अगले कुछ दिनों में यूक्रेन में तैनात किया जा सकता है।

पैट्रियट मिसाइल इसलिए है खास: अमेरिकी मीडिया के अनुसार, पैट्रियट मिसाइल को अमेरिका का सबसे अच्छा वायु रक्षा हथियार माना जाता है। इसमें शक्तिशाली रडार और मोबाइल लॉन्चर शामिल है। यह प्रोजेक्टाइल पर मिसाइल दागते हैं। अमेरिका के पास कितने पैट्रियट हैं, पेंटागन ने यह बताने से इनकार कर दिया लेकिन एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी की मानें तो अमेरिका ने दुनिया भर में 14 जगह पैट्रियट को तैनात किया है। पैट्रियट अमेरिका के अलावा, उसके सहयोगियों के पास भी है, उनमें से दो देशों ने यूक्रेन को कुछ पैट्रियट भेजे हैं। हालांकि, अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि यूरोपीय शक्तियां जल्द ही और पैट्रियट यूक्रेन में भेजेंगी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और पेंटागन के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने यूरोपीय देशों से यूक्रेन को मदद देने की अपील की है।

इन्होंने भी भेजी मिसाइल: जिन दो देशों ने यूक्रेन में पैट्रियट भेजी हैं, उनमें

जर्मनी और नीदरलैंड शामिल है। दोनों देश अब तक एक-एक मिसाइल भेज चुके हैं। जर्मनी के चांसलर ओलाफ स्कोल्ज का कहना है कि जून के अंत तक दूसरा पैट्रियट वहां तैनत किया जाएगा। वहीं नीदरलैंड से दूसरे पैट्रियट के लिए बातचीत जारी है।

बता दें, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन पिछले माह कीव गए थे। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी। मुलाकात के दौरान, जेलेंस्की ने कहा था कि हमारे लिए अभी वास्तव में वायु रक्षा की जरूरत है। उन्होंने अमेरिका निर्मित सतह से हवा में मार करने वाली पैट्रियट मिसाइल प्रणाली का अनुरोध किया था। हालांकि, ब्लिंकन ने उस अनुरोध का स्पष्ट रूप से जवाब नहीं दिया था।

बेहतर पत्नी और मां के रूप में उभर रही हैं जिल बाइडन, हर वक्त मजबूती से साथ खड़ी रहती हैं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव होने वाले हैं। जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कड़ा मुकाबला है। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे प्रथम महिला जिल बाइडन मजबूती के साथ सामने आ रही हैं। वे अपने बेटे हंटर का मजबूती से साथ दे रही हैं तो वहीं अपने पति जो बाइडन के साथ भी कंधा से कंधा मिलाकर खड़ी दिख रही है। जिल इन दोनों अपने बेटे और अपने पति दोनों का हौसला बढ़ा रही हैं।

मंगलवार को जिल अपने छोटे बेटे के साथ अदालत में रहीं तो वहीं अगले दिन बुधवार को वे फ्रांस में अपने पति जो बाइडन के साथ दिखीं। इसके अगले दिन गुरुवार को वे दोबारा अपने बेटे के साथ अदालत में थीं। इसके बाद फिर शनिवार को फिर अपने पति के साथ पेरिस में थी। वे एलीसी पैलेस में एक राजकीय रात्रिभोज में शामिल हुईं। इस दौरान वे शिआपरेली गाउन में दिखीं, उनके चेहरे पर मुस्कान थी और चेहरे पर थकान और तनाव की शिकन तक नहीं थी। बता दें, हंटर पर बंदूक रखने का आरोप है और ऐसा पहली बार है कि एक मौजूदा राष्ट्रपति के बच्चों के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चल रहा हो। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, जिल हमेशा गर्मजोशी से पेश आती हैं और अपने पति की सकारात्मक छवि के लिए अधिक से अधिक काम करती हैं।

संक्षिप्त-खबर

विद्यादान महादान कार्यक्रम में डॉ कैलाश सत्यार्थी सम्मान से सम्मानित हुए -शिक्षक डिजेन्द्र कुर्रे

बसना(समय दर्शन)। जरूरत मंद अप्रवेशी बच्चों,एवं गरीब अभावग्रस्त बच्चों को सामान्य ज्ञान पुस्तक, कटर, रबर, स्केल, कंपास, बुक सेट इत्यादि देकर उन्हें शिक्षा की मुख्य धारा में लाने के लिए शांति फाउंडेशन को बहुत सारे शिक्षक शिक्षिकाओं ने सहयोग प्रदान किये है।

जिसमें से बसना अंचल के शिक्षक डिजेन्द्र कुर्रे ने भी सहयोग कर हाथ बटाया है। उनके इस सहयोग के लिए डॉ. कैलाश सत्यार्थी सम्मान 2024 से शिक्षक डिजेन्द्र कुर्रे को सम्मानित किया गया है।

शांति फाउंडेशन के प्रमुख सुनील आनंद ने बताया कि, शिक्षा के अधिकार के तहत हर बच्चे को पढ़ने लिखने का अधिकार है। पर कई ऐसे जरुरत मंद बच्चों को शिक्षा के आवश्यक सामग्री की आवश्यकता होती है। जिसके लिए विद्यादान महादान कार्यक्रम आयोजन कर बच्चों व जरूरतमंद लोगों को सहयोग प्रदान कर रहे हैं । डॉ कैलाश सत्यार्थी सम्मान से सम्मानित होधे पर डिजेन्द्र कुर्रे को क्षेत्रवासियों एवं शिक्षा विभाग आला अधिकारी कर्मचारी एवं शिक्षक साथियों तथा अनेक संस्था ,संगठन , सामाजिक लोगों ने बधाई प्रेषित किये है।

फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनवाकर सरकारी नौकरी की शिकायत

राजनांदगांव (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष प्रेमनारायण वर्मा ने कमिश्नर संभागीय दुर्ग व संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग, दुर्ग को पत्र प्रेषित कर विकास लाटा, सहायक शिक्षक, भरकापारा प्राथमिक शाला, विकासखंड व जिला राजनांदगांव को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की है। पत्र के माध्यम से अवगत कराते हुए कहा गया है कि विकास लाटा जो वर्तमान में भरकापारा, प्राथमिक स्कूल, विकासखंड व जिला राजनांदगांव में सहायक शिक्षक के पद पर पदस्थ है, उसके द्वारा फर्जी दिव्यांग प्रमाण-पत्र बनवाकर दिव्यांगों के लिये आरक्षित पद पर सरकारी नौकरी पाया है। यह शिक्षक दो फर्जी दिव्यांग होने का प्रमाण पत्र बनाकर सरकारी नौकरी पाने में सफल हो चुका है। बताया गया कि पूर्व में भी दस्तावेजी साक्ष्य के साथ लिखित शिकायत किया गया था जिस पर विभाग ने जांच कर नियमानुसार यथोचित कार्यवाही करने कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी राजनांदगांव को निर्देशित किया था, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने जांच कर कार्यवाही करने में कोई रूचि नहीं दिखाया जो उचित नहीं है। जिम्मेदार अधिकारियों की उदासिनता और घोर लापरवाही का लाभ उठाकर विकास लाटा आज भी सरकारी नौकरी पर यथावत है, जिसके लिए कलेक्टर और डीईओं राजनांदगांव पूर्णत: उत्तरदायी है।

शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित हुए शक्ति जोन के कर्मचारी

भिलाई (समय दर्शन)। भिलाई इस्पात संयंत्र में आयोजित शिरोमणि पुरस्कार समारोह में शक्ति जोन से उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शित करने वाले कार्मिकों को 12 जून 2024 को कर्म एवं पाली शिरोमणि पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (पावर फैसिलिटिस) श्री राजीव पांडेय ने की। भिलाई इस्पात संयंत्र के ऐसे कार्मिक, जो अपने कार्यक्षेत्र में उपलब्ध संसाधनों से ही सुरक्षा के सम्पूर्ण मापदंडों का पालन करते हुए।

सिम्स में विकसित नई सुविधाओं का मिलने लगा फायदा

कलेक्टर ने सिम्स अस्पताल का किया निरीक्षण

बिलासपुर (समय दर्शन)। कलेक्टर अवनीश शरण ने सिम्स अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने पिछले लगभग दो-तीन माह में हुए निर्माण एवं सुधार कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने बचे हुए कार्यों की गति में तेजी लाकर पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सिम्स के बदले हालात के बारे में मरीजों एवं उनके परिजनों से भी अनुभव साझा किए। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार, अधीक्षक डॉ. सुजीत नायक सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने सबसे पहले नए बनाए जा रहे ट्राइएज एरिया (आपातकालीन सेवा कक्ष) का निरीक्षण किया और ट्राइएज सेवाओं को शुरू करने के लिए लंबित विभिन्न मुद्दों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित एजेंसियों को काम में तेजी लाने का निर्देश दिया और मरीजों के लाभ के लिए एमजीपीएस (डमकपबंस हें चपचमसपदम लेजमउ) के लिए वित्तीय सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने मेडिसिन वार्ड, मेडिकल रजिस्ट्रेशन विभाग में भीषण तापमान की स्थिति को लेकर व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने भोजन बनाने एवं विश्राम के लिए बनाये गये अटेंडेंट शेड का भी अवलोकन किया। उन्होंने कुछ परिजनों से परिजन शेड की उपयोगिता के संबंध में बातचीत की। उन्होंने अस्पताल के रैंप के पास 2 नई लिफ्टों की स्थापना के संबंध में भी अपडेट जानकारी ली। उन्होंने उद्यान में चल रहे सौंदर्यीकरण को भी देखा और कुछ सुझाव दिए। उन्होंने एचओडी रेडियोडायग्नोसिस और चिकित्सा अधीक्षक सिम्स के साथ बैठक की। उन्होंने सीटी स्कैन, एमआरआई, एक्स-रे मशीन और रखरखाव के मुद्दों के बारे में जानकारी ली।

नेशनल लोक अदालत की जोर शोर से चल रही तैयारी

आगामी 13 जुलाई आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में चेक बाउंस तथा धन वसूली के प्रकरणों को समझौते के आधार पर निराकरण करने के संबंध में प्रधान जिला न्यायाधीश श्रीमती नीता यादव की निर्देश पर जिला न्यायालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आज प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश सुनील कुमार जायसवाल की अध्यक्षता में बैंक एवं फायनेंस कम्पनियों के अधिकारियों एवं पैनल अधिवक्ताओं की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बैंक एवं फायनेंस कम्पनियों के अधिकारियों को न्यायालय में लंबित चेक बाउंस से संबंधित मामलों को आगामी नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक संख्या में आपसी समझौते के आधार पर निराकृत किये जाने के संबंध में चर्चा की गई। बैंक एवं फायनेंस कम्पनियों के अधिकारियों को यह भी अवगत कराया गया कि जिन मामलों में बकायादारों से धन वसूली से संबंधित प्रकरण न्यायालय के समक्ष संस्थित नहीं किया गया है, उन मामलों को प्री लिटिगेशन के रूप में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में प्रस्तुत किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त छोटी रकम से संबंधित चेक बाउंस के प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर आगामी नेशनल लोक अदालत में निराकरण हेतु रखे जाने का निर्देश दिया गया। बैंक एवं फायनेंस कम्पनियों के अधिकारियों एवं पैनल अधिवक्ताओं को यह भी निर्देशित किया गया कि जिन मामलों को नेशनल लोक अदालत हेतु चिन्हांकित किया गया है, उन मामलों में समझौते की शर्तें तैयार कर यथाशीघ्र संबंधित न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाये।

पीपीसी विभाग में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु संचार मंच का आयोजन

भिलाई (समय दर्शन)। भिलाई इस्पात संयंत्र के पीपीसी विभाग (उत्पादन, योजना एवं नियंत्रण विभाग) द्वारा कार्मिकों में राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए संयंत्र भवन में संचार मंच का आयोजन किया गया। मुख्य महाप्रबंधक (पीपीसी) श्री तुषार कान्त की अध्यक्षता में आयोजित यह कार्यक्रम भिलाई इस्पात संयंत्र के उत्पादन, निष्पादन, गत माह के हाईलाइट्स, वर्तमान उत्पादन योजना, कार्यलयीन काम शत-प्रतिशत हिन्दी में ही सम्पादित करना जैसे विषयों पर केंद्रित था। मुख्य महाप्रबंधक (पीपीसी) श्री तुषार कान्त ने अपने उद्बोधन में उत्पादन संबंधी चुनौतियों के बारे में जानकारी प्रदान की तथा राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने पर जोर देते हुए कहा कि हिंदी हमारी राजभाषा है। यह समझने, बोलने एवं लिखने में सहज एवं सरल है। भिलाई इस्पात संयंत्र क क्षेत्र में स्थित है, अत: कार्यालयीन काम को शत-प्रतिशत हिंदी में करना, सभी कार्मिकों की नैतिक एवं प्रशासनिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यलयीन कार्यों में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए विभागीय कार्मिकों द्वारा किये जा रहे प्रयासों की सराहना की एवं इसे और बेहतर तरीके से करने के लिये सभी को प्रेरित किया। उन्होंने विभाग में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय मार्गदर्शन के लिये अनुभागप्रमुखों की प्रषंसा की।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में श्री मोहम्मद नईम द्वारा तकनीकी प्रस्तुति देते हुए इस्पात से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

मुख्यमंत्री साय ने 25.67 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण व शिलान्यास

मुंगेली (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मुंगेली जिले के ग्राम फरहदा में भक्त माता कर्मा मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने जिलेवासियों को लगभग 25 करोड़ 67 लाख रूपए के विकास कार्यों की सौगात दी। उन्होंने ग्राम पा. खम्हरिया में 1.89 करोड़ रूपए की लागत से निर्मित 33/11 व्ही सब स्टेशन, ग्राम कंतेली में 1.87 करोड़ रूपए की राशि से निर्मित 33/11 के. व्ही सब स्टेशन और आगर व्यपवर्तन योजना के तहत 19 करोड़ 12 लाख 57 हजार रूपए की लागत से निर्मित 15 माईनर नहर में सी.सी. लाईनिंग व स्ट्रक्चरों के जीर्णोद्वार के कार्यों का लोकार्पण किया।

इसी तरह 01 करोड़ 37 लाख 71 हजार रूपए की लागत से नवागढ़ चौक से खैरवार बायपास रोड में 06 किलोमीटर तक एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट संस्थापन कार्य, 34 लाख 35 हजार रूपए की लागत से देवरी से खेढ़ा कालोनी में एल.ई.डी. स्ट्रीट लाईट संस्थापन कार्य, शासकीय हाईस्कूल फुलवारी एफ, जोता, भटगांव तथा हायर सेकेण्डरी स्कूल खुड़िया, बैगाकापा, सुकली, देवरहट, मनोहरपुर, नगर पालिका मुंगेली, पदमपुर, जरहागांव, सिलतरा, लौदा और बैतलपुर में प्रत्येक में 07 लाख 63 हजार रूपए की राशि से कक्ष निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री अरूण साव, वाणिज्य, उद्योग, श्रम एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री लखनलाल देवागंन सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक, साहू समाज के पदाधिकारीगण, प्रशासनिक अमला और बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

व्याख्याता हेमराज निषाद बने शिक्षा कला एवं साहित्य अकादमी छ.ग.के प्रांतीय सहसचिव

बसना(समय दर्शन)। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बसना के व्याख्याता हेमराज निषाद को शिक्षा कला व साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ ने प्रांतीय सहसचिव बनाते हुए रायपुर के सिविल लाइन स्थित वृंदावन हाल में एक सभ्रांत शपथ ग्रहण समारोह में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान 2024 से सम्मानित किया गया।

बच्चों एवं शिक्षकों के सर्वांगीण विकास के लिए संकल्पित यह एक बहुआयामी संस्था है। हेमराज निषाद बसना विधानसभा के विकासखण्ड पिथौरा अंतर्गत के ग्राम बल्दीडीह के निवासी हैं। उक्त कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरूण साव ,एवं अध्यक्षता विजय बघेल सांसद दुर्ग तथा अतिविशिष्ट के रूप मे ललित चंद्राकर विधायक दुर्ग (ग्रामीण) , एवं छत्तीसगढ़ी फिल्म अभिनेत्री जागेश्वरी मेश्राम की उपस्थिति में राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक शिवनारायण देवांगन 'आस' बोधीराम साहू ,राधेश्याम कंवर,हरमन सिंह बघेल , उषा भट्ट , कौशलेंद्र पटेल, टीकाराम सारथी संस्था के अन्य सदस्यों सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे ।राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान प्राप्त करने पर हेमराज को उनके परिवार, ग्रामवासियों,शिक्षा विभाग बसना के सीईओ जे आर डहरिया, एबीओ बद्रीविशाल जोल्हे,बीआरसी ललित देवता, शाला परिवार प्रमुख खीरोद्र पुरोहित, संकुल समन्वयक अनिलसिह साव,वारिस कुमार,बद्री प्रसाद पुरोहित, डिजेन्द्र कुर्रे,पूर्णानंद मिश्रा,शरण दास, अरूण प्रधान, हीराधर साव, प्रेमचंद साव, सहित अनेक शिक्षक साथियों ने शुभकामनाएं दी है।

पेंगोलिन तस्करों पर उदंती-सीतानदी एन्टी पोचिंग टीम, डी.आर.आई एवं कालाहांडी वनमंडल का संयुक्त ऑपरेशन

गरियाबंद (समय दर्शन)। केदार कश्यप मंत्री वन एवं जलवायु परिवर्तन छत्तीसगढ़,सुधीर अग्रवाल प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) रायपुर छत्तीसगढ़,विश्वेश कुमार झा मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) रायपुर,डी.आरआई (छत्तीसगढ़) के अधिकारीगण, वरुण जैन उपनिदेशक उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व एवं कलईवंनन वनमंडलाधिकारी दक्षिण कालाहांडी वनमंडल एवं अनुराग शर्मा वनमंडलाधिकारी उत्तर कालाहांडी वनमंडल (उड़ीसा) के कुशल मार्गदर्शन में गोपनीय सूचना के आधार पर 9 जून 2024 को एन्टीपोचिंग टीम उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व (छ.ग.), डी.आर. आई (छत्तीसगढ़),उत्तर एवं दक्षिण कालाहांडी वनमंडल (उड़ीसा) के साथ संयुक्त टीम गठित कर उड़ीसा राज्य के ग्राम-तेंतुलीखूंटी जिला नबरंगपुर से (1) भास्कर माझी पिता दिबन माझी,उम्र 22 वर्ष,ग्राम माहूलपटना जिला-कालाहांडी (उड़ीसा) व लक्ष्मण माझी पिता सिन्धु माझी, उम्र 35 वर्ष,ग्राम-तेंतुलीखूंटी जिला-नबरंगपुर (उड़ीसा) को घेरा बंदी कर 160 नग पेंगोलिन शल्क एक मोटर सायकल 2 नग मोबाईल के साथ धुलूघाटी (नबरंगपुर-कालाहांडी बॉर्डर) के पास पकड़ा गया। छत्तीसगढ़/उड़ीसा के संयुक्त टीम द्वारा दोनों आरोपियों को पकड़कर विस्तृत पूछताछ के लिए वन परिक्षेत्र जयपटना (उड़ीसा) लाया गया। न्यायालयीन कार्यवाही के लिए वन परिक्षेत्र जयपटना उड़ीसा के सुपूर्द कर पंचनामा लिया गया।प्रकरण में फरार अन्य आरोपियों एवं वन्यप्राणी अवयवो की तलाश जारी है। इस कार्यवाही में उदंती सीतानदी टाईगर रिजर्व की एन्टी पोचिंग की टीम के नोडल अधिकारी गोपाल कश्यप सहायक संचालक उदंती (मैनपुर),सहायक वन संरक्षक बिमल टोपनो (दक्षिण कालाहांडी वनमंडल) डी.आर.आई (छत्तीसगढ़) के इंटेलिजेंस अधिकारी,सुशील कुमार सागर वन परिक्षेत्र अधिकारी इंदागांव (घुरवागुडी) बफर एवं विरेन्द्र ध्रुव चुरामन घृतलहरे,राकेश मार्कडेय,ओम प्रकाश राव,फ्लेश्वर दिवान,देवीसिंग,पुनीत एवं ओडिशा वन अमले का विशेष योगदान रहा।

दिव्यांगजनों को मिलेगा मनपसंद जीवनसाथी, 301 जोड़े बंधेंगे परिणय सूत्र में

आस्था संस्थान द्वारा 16 जून को आयोजन,सीएम समेत अन्य मंत्री देंगे नव जोड़ों को आशीर्वाद

दुर्ग (समय दर्शन)। कहते है कि जीवनसाथी की जोड़ी ऊपर से बनकर आती है, लेकिन यह दिव्यांगजनों के लिए कल तक किसी बड़े सपने से कम नहीं था। उनके इस सपने में खुशियों का रंग भरने का समाजसेवी संस्था आस्था बहुद्देश्यीय कल्याण संस्थान छत्तीसगढ़ बड़ा कार्य कर रही है। दिव्यांगजनों को मनपसंद जीवनसाथी मिले और खर्चीले शादी समारोह से राहत दिलाने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा 16 जून को बाफना टोल प्लाजा के पास बायपास रोड स्थित अग्रसेन भवन में अखिल भारतीय निर्धन दिव्यांग सामूहिक आदर्श विवाह समारोह का आयोजन किया गया है। जिसमें 301 दिव्यांग जोड़े की परिणय सूत्र में बंधने की तैयारी है।

विवाह समारोह के रस्म सुबह 9 बजे से शुरु होगी। जिसमें बकायदा गाजे-बाजे के साथ बारात निकलेगी और मंत्रोच्चार के साथ सात फेरे की रस्म पूरी की जाएगी। वर व वधू पक्ष के मेहमानों के लिए भोजन की भी व्यवस्था रहेगी। विवाह उपरांत दिव्यांग नव जोड़े को संस्थान द्वारा गृहस्थी के सामान उपहार स्वरुप भेंट किए जाएंगे। निर्धन दिव्यांग सामूहिक आदर्श विवाह में सभी धर्म व जाति के दिव्यांगजन हिस्सा बनेंगे। फलस्वरुप विवाह समारोह में छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, उड़ीसा, झारखण्ड के अलावा अन्य राज्यों के दिव्यांजनों ने परिणय सूत्र में बंधने अपनी स्वीकृति दे दी है। विवाह समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,गृहमंत्री विजय शर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, सांसद विजय बघेल,विधायक गजेन्द्र यादव, ललित चंद्राकर,डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, रिकेश सेन,देवेन्द्र यादव,महापौर धीरज बाकलीवाल, नीरज पाल, सभापति राजेश यादव समेत अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे और दिव्यांग नव जोड़े को बधाई व आशीर्वाद देंगे। यह जानकारी आस्था बहुद्देशीय कल्याण संस्थान द्वारा आयोजित बैठक में विवाह आयोजन समिति के अध्यक्ष रामफल शर्मा और संस्था के संयोजक सुरेन्द्र शर्मा ने संयुक्त रुप से सदस्यों को दी। बैठक में तैयारियों की समीक्षा की गई और आयोजन से जुड़े सभी व्यवस्थाओं के लिए सदस्यों को दायित्व भी सौंपे गए। आस्था संस्थान अध्यक्ष प्रकाश गेडाम और संयोजक प्रहलाद रुंगटा ने बैठक में बताया कि निर्धन दिव्यांग सामुहिक आदर्श विवाह समारोह का संस्थान द्वारा पिछले 19 वर्षों से आयोजन किया जा रहा है। विवाह समारोह की शुरुआत 11 जोड़ों से की गई थी। जो बढ़कर अब 301 जोड़े तक पहुंच गई है।

यह विवाह समारोह पूर्णत: नि:शुल्क है। विवाह समारोह की तैयारियों में विवाह आयोजन समिति अध्यक्ष रामफल शर्मा, आस्था संस्थान संरक्षक सुरेन्द्र शर्मा,संयोजक प्रहलाद रुंगटा,रत्ना नारमदेव,मनोज ठाकरे,अध्यक्ष प्रकाश गेडाम,सचिव राजेन्द्र सुनगारिया,लोचन पटेल,अजय शर्मा,शिवाकांत तिवारी,भानु राव,नेमराज वर्मा,सरिता शर्मा,जितेन्द्र हसनानी,सुश्री नीता चौरसिया,दीपक चुनपुरिया,सुरेश मेश्राम एवं अन्य सदस्य जुटे हुए है।

बकरीद के अवसर पर जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु कार्यपालिक मजिस्ट्रेट ड्यूटी लगायी गई

दुर्ग (समय दर्शन)। ईद-उल-जुहा (बकरीद) के अवसर पर 17 जून 2024 को जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने हेतु कार्यपालिक मजिस्ट्रेट ड्यूटी लगायी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अनुविभागीय दण्डाधिकारी दुर्ग श्री मुकेश रावटे अनुविभाग दुर्ग ग्रामीण/शहर अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्र के कार्यपालिक मजिस्ट्रेट होंगे। तहसीलदार एवं कार्य.मजि. दुर्ग श्री प्रफुल्ल कुमार गुप्ता, अतिरिक्त तहसीलदार एवं कार्य.मजि. दुर्ग श्री पवन ठाकुर, नायब तहसीलदार एवं कार्य. मजि. दुर्ग श्री ढालसिंह बिसेन, नायब तहसीलदार एवं कार्य.मजि. दुर्ग सुश्री ज्योत्सना कलिहारी अनुविभागीय दण्डाधिकारी दुर्ग के निर्देशानुसार कार्य सम्पादित करेंगे।

अनुविभागीय दण्डाधिकारी पाटन श्री दीपक निकुंज अनुविभाग पाटन अंतर्गत समस्त थाना क्षेत्र के कार्यपालिक मजिस्ट्रेट होंगे। तहसीलदार एवं कार्य.मजि. पाटन श्रीमती मीना साहू, नायब तहसीलदार एवं कार्य.मजि. पाटन भूपेन्द्र सिंह अनुविभागीय दण्डाधिकारी पाटन के निर्देशानुसार कार्य सम्पादित करेंगे।

:: आम सूचना :

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकारा श्रीमती हेमेश्वरी साहू पिता नरेन्द्र साहू निवासी -हथखोज भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. नें विश्वनाथ पिता चिंताराम निवासी साहू पारा गोडपेण्ड्री तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. के स्वामी हक कब्जा अधिकार की भूमि मौजा ग्राम गोडपेण्ड्री तहसील पाटन जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नं. 797/2 रकबा 0.06 हे. भूमि को खरीदनें का पक्का सौदा कर लिया तथा उक्त भूमि का पंजीयन (बैनामा) पंजीयन कार्यालय में कराया जाना तय हुआ है।

अत: उक्त खरीदी बिक्री से किसी भी शासकीय, अर्ध शासकीय, वित्तीय निकाय, गैर शासकीय, व्यक्ति को कोई उजर आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 01 सप्ताह के अन्दर मय दस्तावेज के लिखित आपत्ति मेरे कार्यालय में या मेरे पक्षकार के निवास मे मिलकर प्रस्तुत कर सकते है। समयावधि व्यतीत होने के पश्चात रजिस्ट्री बैनामा करा लेने के पश्चात किसी भी प्रकार का उजर आपत्ति अमान्य होगा तथा मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नही होगा।

केशव वर्मा
(अधिवक्ता)
(व्यवहार न्यायालय पाटन)

कार्यालय जिला आयुर्वेद अधिकारी, बालोद (छ.ग.)

कमांक/स्टोर/ 2024 /850-53 बालोद, दिनांक 11/06/2024

पेंशनर रोगियों के औषधि प्रदाय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

वित्तीय वर्ष 2024-25 में शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय चिखलाकसा दल्लीराजहरा जिला बालोद छ.ग. हेतु पेंशनर रोगियों के लिए आयुर्वेद (शास्त्रोक्त एवं पेटेण्ट) औषधियाँ प्रदाय करने हेतु निविदा दाताओं से मोहर बंद निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र कार्यालय जिला आयुर्वेद अधिकारी, जिला बालोद छ.ग. से कार्य दिवस में प्रात: 11:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक 500/- (रूपये पाँच सौ मात्र) का चालान हेड (0210 चिकित्सा शिक्षा, 03 - चिकित्सा शिक्षा प्रशिक्षण व अनुसंधान, 101 आयुर्वेद, 0753 - विविध प्राप्तियां) में जमा कर प्राप्त किये जा सकते है ।

अन्य नियम एवं शर्ते कार्यालयीन समय में कार्यालय जिला आयुर्वेद अधिकारी बालोद छ.ग. से निविदा फार्म के साथ प्राप्त किया जा सकता है।

नोट:- जिले के स्थानीय औषधि विक्रेताओं को प्राथमिकता दी जायेगी ।

निविदा बिक्री की अंतिम तिथि	26.06.2024 दोपहर 03:00 बजे तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	05.07.2024 दोपहर 02:00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	05.07.2024 दोपहर 03:00 बजे

(डॉ. ज्योति गजभिये)
जिला आयुर्वेद अधिकारी
बालोद (छ.ग.)

G-242500280/1

टैक्स वसूली बढ़ाने पर जोर,निर्माण कार्यों को मिली स्वीकृति,चालू वर्ष की संपत्तिकर जमा करने पर छूट देने प्रस्ताव पारित

निगम एमआईसी की बैठक महापौर की अध्यक्षता में सम्पन्न

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम एमआईसी की बैठक की गई। इस बैठक में नगर निगम महापौर धीरज बाकलीवाल,आयुक्त लोकेश चन्द्राकर, समेत एमआईसी के सभी सदस्य निगम के अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें।बैठक महापौर धीरज बाकलीवाल की अध्यक्षता में ली गई।जिसमें विकास कार्यो,वित्त विभाग,स्वास्थ्य विभाग,लोक कर्म विभाग, राजस्व विभाग तथा जल विभाग से संबंधित विषयों पर चर्चा की गई।आपको बता दें कि, बैठक में निगम महापौर धीरज बाकलीवाल एवं आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने निगम की आय बढ़ाने एमआईसी सदस्यों की बैठक में अधिकारियों को टैक्स वसूली बढ़ाने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि निगम क्षेत्र में हर घर और दुकान सहित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का सर्वे कर ऐसे मकान व दुकानों की सूची बनाई जाए जिन्होंने बिना निगम की अनुमति के निर्माण किया है और सभी निर्माण पर टैक्स निर्धारण करें।वार्ड क्रमांक 52 आनंद विहार से गणपति विहार तक नाला निर्माण कार्य भूमि विवाद होने के कारण नवीन परिवर्तन कर कार्य स्थल -वार्ड 52 कदम प्लाजा चौक से मन्नम नगर मुख्य मार्ग की ओर

नाला निर्माण कार्य की स्वीकृति दी गई है।वार्ड क्रमांक 53 बोरसी क्षेत्र में माता तालाब से हनुमान मंदिर तक सीसी सड़क निर्माण कार्य हेतु 4 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति अधोसंरचना मद मुख्यमंत्री घोषणा 25 करोड़ अतर्गत प्राप्त है।वार्ड 53 में अन्य स्थान पर कार्य अति आवश्यक होने के कारण वार्ड पार्षद द्वारा नवीन कार्य स्थल पर अटल आवास के पास नवनिर्मित सामुदायिक शौचालय पहुंच मार्ग निर्माण कार्य की अनुशंसा है जी पर स्थल परिवर्तन हेतु चर्चा की गई।मिशन क्लीन सिटी योजना अंतर्गत वर्ष 2011 जनगणना के आधार पर 57451 मकान/ दुकान से डोर टू डोर कलेक्शन कार्य हेतु 582 स्वच्छता दीदी की स्वीकृति प्रदान की गई थी वर्तमान में जनसंख्या एवं दुकान / मकान की संख्या 72766 हो गई है। बढ़ोतरी होने के कारण 160 अतिरिक्त स्वच्छता दीदी मिशन क्लीन सिटी योजना अंतर्गत श्रमिक रखे जाने हेतु एवं 15 वें वित्त आयोग अंतर्गत शासन को मैन्युअल रिक्शा क्रय का प्रस्ताव भेजा गया है। जिस पर भी समिति के समक्ष चर्चा की गई।सदगुरु कबीर साध्वी आश्रय की स्थापना पोटिया कला दुर्ग में योगशाला एवं छायादार औषधि सर्व सुविधायुक्त उपवन का प्रस्ताव के अलावा वाहन शाखा द्वारा सफाई कार्य हेतु प्लेसमेंट एजेंसी द्वारा स्वास्थ्य एवं स्वच्छता श्रमिक (वाहन) 56,अग्निशमन चालक 02, विभागीय वाहन चालक 39, विद्युत यांत्रिकी श्रमिक 16, इलेक्ट्रीशियन 08 कुल 121 श्रमिक प्रदाय हेतु 198.00 लाख कार्य हेतु निविदाकार द्वारा ऑफर दर प्रस्तुत किया गया है।तकनीकी परीक्षण उपरांत प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है।पोटिया कला वार्ड में पुराने कचरे के निष्पादन हेतु नेफेक इंडिया लिमिटेड के आवेदन पर भी चर्चा कर सभी प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की गई है।बैठक में संपत्तिकर दाताओं द्वारा चालू वर्ष की टैक्स जमा करने पर स्वीकृति प्रदान की गई। जिसके अनुसार अप्रैल से जून तक 6त्न,जुलाई से सितंबर तक 4त्न एवम अक्टूबर से दिसम्बर तक 2त्न छूट प्रदान की जावेगी।

आज एमआईसी बैठक के बाद नगर निगम की वार्ड 52 की वार्ड पार्षद स्व.गायत्री साहू का निधन गत माह पूर्व हो गया,पार्षद श्रीमती उषा ठाकुर के पति स्व.राम ठाकुर का निधन एवं सहायक अभियंता प्रकाश चंद थवानी के पुत्र स्व.हर्षल थवानी का 13 जून 24 को आकस्मिक निधन पर नगर निगम मेयर धीरज बाकलीवाल की अध्यक्षता में एमआईसी बैठक के दौरान शोकसभा भी हुई।जिसमें उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।शोक सभा में मेयर ने कहा कि पार्षद गायत्री साहू के निधन से हमारे बीच से संघर्षशील एक वार्ड पार्षद की कमी हो गयी है।उनकी कमी सभी को हमेशा खलेगी। वह एक शांतिप्रिय महिला थीं।आयुक्त लोकेश चन्द्राकर समेत एमआईसी सदस्यगण एवं अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे।

ग्राम पुसेवाडा में चिकित्सा शिविर का आयोजन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के तत्वाधान में निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन अपने आस-पास के परिधीय क्षेत्रों एवं खदान क्षेत्रों में किया जाता है। इसी के तहत 13 जून 2024 को दुलकी माइन्स के समीप स्थित ग्राम पुसेवाडा में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

ग्राम पुसेवाडा में आयोजित चिकित्सा शिविर में कुल 47 लोगों की जांच करके

संक्षिप्त-खबर

विधायक गजेंद्र ने जन्मदिन के पूर्व किया रक्तदान, विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर ब्लड डोनेशन में हुए शामिल

दुर्ग (समय दर्शन)। जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। जिला अस्पताल प्रबंधन के सहयोग से सैकड़ों लोगों ने रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। इसी दौरान दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव भी पहुँचे और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्तदान कर जीवनदान करने की अपील किये। रक्तदान दिवस के अवसर पर शहर विधायक गजेंद्र यादव ने जरूरतमंद मरीज को समय ब्लड मिल सके इसलिए स्वयं रक्तदान किये और संदेश देते हुए कहा की रक्तदान जीवन-रक्षक है जिससे हम दुसरो की मदद करते है। यह मानव सेवा का भी प्रतीक है। हम सभी को रक्तदान अवश्य करना चाहिए, उन्होंने जिला चिकित्सालय में रक्त की आपूर्ति बनी रहे इसलिए स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर जोर दिए।

सिविल सर्जन डॉ हेमंत साहू ने बताया की रक्तदान करना शरीर के लिए लाभदायक है। रक्तदान करने से कई प्रकार के बीमारियों से बचा जा सकता है तथा दान किये हुए रक्त से हम किसी को जीवनदान भी देते है। ब्लड बैंक के त्रिपेश शर्मा ने बताया की विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर दुर्ग - भिलाई के 26 सामाजिक संगठन के प्रतिनिधियों सहित कुल 171 लोगों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में विधायक गजेंद्र ने बार बार रक्तदान करने वाले व्यक्ति और रक्तदान कार्यक्रम कराने वाले संस्थाओ को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किये। इस दौरान चिकित्सालय प्रबंधन व नर्सिंग स्टॉफ ने विधायक को रक्तदान कर समाज में अच्छा संदेश देने तथा जन्मदिन की अग्रिम शुभकामनायें दिए।

नेहरू नगर भेलवा तालाब सफाई के साथ साथ पेड़ो की कटाई, छटाई ट्रिमिंग शुरू

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर निगम भिलाई क्षेत्रांतर्गत नेहरू नगर भेलवा तालाब लोगो के प्रमुख आर्कषण का केन्द्र है। वहां पर तालाब की सफाई का काम नियमित रूप से चल रहा है, उसके साथ साथ उद्यान विभाग द्वारा चारो तरफ लगे पेड़ की कटाई छटाई करके सुन्दर एवं आकर्षित बनाया जा रहा है। इस बात से रोज सुबह टहलने वाले लोग खुश है, डॉ. बी के गोयल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि हम रोज टहलते है, अभी पेड़ो की कटाई छटाई होने के बाद से और बेहतर लग रहा है हम सबको भी ध्यान देना पड़ेगा की गंदगी न फैलाये। मैं देखता हुं कि लोग धीरे से आकर कचरा, पुजा सामग्री डाल देते है जबकि उसके लिए अलग से स्थल निर्धारित है वहीं पर डाले, हम लोग भी सर्तक रहेगे किसी प्रकार की गंदगी न हो। तालाब के अंदर से निकलने वाले कमल के ककड़ी (ढ़ेस) एवं पंखड़ियो को जैविक खाद बनाने के लिए राशि उद्यान में गढढा बनाकर जैविक रूप से निष्पादित किया जायेगा। इसकी खाद बहुत की गुणकारी एवं उपजाऊ होगा।

भिक्षुक पुनर्वास केन्द्र की स्थापना एवं संचालन हेतु संस्थाओं से रुचि की अभिव्यक्ति के तहत प्रस्ताव आमंत्रित

दुर्ग (समय दर्शन)। ऐसे भिक्षुक जिनके सम्मुख जीवनपर्यन्त आश्रय, देखरेख तथा सम्मानपूर्वक जीवनयापन की समस्या बनी रहती है, उनके लिए सामाजिक एवं भावनात्मक रुप से अनुकूल और संवेदनशील आश्रय सह संरक्षण प्रदान करने के लिए समाज कल्याण विभाग, जिला-दुर्ग द्वारा भिक्षुक पुनर्वास केन्द्र, क्षमता 50 भिक्षुक की स्थापना एवं संचालन हेतु संस्थाओं (शासकीय/अर्द्धशासकीय या पंजीकृत स्वयंसेवी संस्थाओं) से रुचि की अभिव्यक्ति के तहत प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है। उपसंचालक समाज कल्याण विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ऐसी संस्थाएं जो भिक्षुकों के क्षेत्र में कार्यरत वित्तीय रुप से सक्षम हो तथा भिक्षुक पुनर्वास केन्द्र के संचालन के इच्छुक हों, ऐसी संस्थाओं से प्रकाशन की तिथि से 7वें दिन अपरान्ह 3 बजे तक कार्यालयीन समयावधि में रुचि की अभिव्यक्ति के तहत प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है। भिक्षुक केन्द्र की स्थापना एवं संचालन हेतु इच्छुक संस्थाएं उपसंचालक, समाज कल्याण विभाग, जिला दुर्ग में उपस्थित होकर आवेदन पत्र, नियम एवं शर्तें प्राप्त कर सकते हैं।

निधन: हर्षल थवानी

दुर्ग। नगर पालिका कुम्हारी एवं पाटन के प्रभारी कार्यपालन अभियंता प्रकाशचन्द्र थवानी के छोटे सुपुत्र हर्षल थवानी का गुरुवार 13 जून को इलाज के दौरान मुंबई में आकस्मिक निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 15 जून शनिवार को प्रात: 10 बजे निवास स्थान - मीनाक्षी नगर, दुर्ग से पोटिया कला मुक्तिधाम जायेगी। वे स्वप्निल थवानी के भाई थे।

अमलीडीह में बनेगा गुरुकुल, कलश पूजा के साथ शुरू हुआ निर्माण कार्य

पाटन (समय दर्शन)। राजधानी रायपुर से लगे पाटन ब्लॉक के ग्राम अमलीडीह में श्री सहजानंद इंटरनेशनल गुरुकुल शिक्षा के साथ साथ बच्चो को संस्कारवान बनाना, पर्सनालिटी डेवलपमेंट के साथ खेल के लिए क्षेत्र में जल्द ही एक नई पहचान बनाने वाली है। एक विशाल प्रांगण में गुरुकुल की स्थापना कार्य शुरू हो गया है। जिसका विधिवत शुरुआत वैदिक मंत्रोच्चार , पूजा अर्चना के आज भूमिपूजन किया गया। सांसद विजय बघेल, सांसद और केबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल मुख्य रूप से मौजूद थे। विशेष अतिथि पूर्व विधायक देवजी भाई पटेल, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती हर्षा लोकमणि चंद्राकर , जनपद सदस्य घनश्याम कौशिक

,सरपंच भेष नारायण साहू सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहेंगे । गुरुकुल के प्रमुख श्री कृष्ण वल्लभ स्वामी ने स्वागत भाषण देते हुए कहा की श्री स्वामिनारायण सेवा समिति द्वारा अमलीडीह में की श्री सहजानंद इंटरनेशनल गुरुकुल रायपुर का संचालन किए जाने निर्णय लिया है इसकी आधारशिला आज रखी गई।

इसके बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सद शास्त्री श्री घनश्याम प्रकाश दास जी ने बताया की बच्चो को अच्छी शिक्षा के अच्छी संस्कार देना ही गुरुकुल की प्राथमिकता रहेगी। शिक्षा के साथ साथ राष्ट्रीय स्तर के खेल की सुविधा भीं प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया की आज शिक्षा के साथ साथ अच्छे संस्कार बच्चो को देना जरूरी होता का रहा है उसी को ध्यान में रखते हुए भगवत गीता का अध्ययन कराने विशेष क्लास भी लगाई जाएगी। इस संस्था से जुड़े प्रेम जी भाई, जितेंद्र पटेल, हर्षद पटेल ने बताया की आज बच्चे पढ़ाई में इतने व्यस्त हो जा रहे है की उसे अपनी अन्य प्रतिभा जैसे खेल, संस्कृति, बौद्धिक क्षमता दिखाने का अवसर ही नही मिलता। श्री सहजानंद इंटरनेशनल गुरुकुल इन विषयों पर भी विशेष फेकस करेगा। संस्था का उद्देश्य बच्चो का सर्वांगीण विकास कराना है। सांसद विजय बघेल ओर बृजमोहन अग्रवाल ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर स्थानीय ग्रामीण बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

16 को अग्रवाल नर्सिंग होम बसना मे मस्तिष्क एवं स्वाइन रोग परामर्श

बसना (समय दर्शन)। बसना अग्रवाल नर्सिंग होम प्रबंधन सदैव क्षेत्र के जरूरत मंद मरीजों का खयाल रखते हुए नित नये पहल के साथ नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने आगे रहता है।

अग्रवाल नर्सिंग होम बसना के संचालक डॉ. एन.के. अग्रवाल ने बताया कि,हमारे यहाँ बसना महासमुन्द के अलावा सरसीवां,बिलाईगढ, सारंगढ, उड़ीसा के दूर दूरांचल के जरूरत मंद मरीजों का इलाज कम से कम दरों में किया जा रहा है। इस कड़ी मे राशन कार्ड आयुष्मान कार्ड एवं उड़ीसा सरकार द्वारा जारी स्वास्थ्य कार्ड से भी लोगों का सतत उच्च स्तरीय इलाज हो रहा है। हमारे यहाँ अग्रवाल नर्सिंग होम बसना की विशेषज्ञ एवं सर्जन की टीम के साथ बुरला, बरगढ़, सोहेला, विशाखापत्तनम, रायपुर, दुर्ग, भिलाई के प्रख्यात सर्जन एवं विशेषज्ञों की सभी विभाग के टीम प्रत्येक सप्ताह अग्रवाल नर्सिंग होम बसना मे आकर मरीजों का सफ्ल आपरेशन एवं इलाज कर रहे हैं । घर के माहौल में सभी जटिल बीमारियों का ईलाज बसना मे ही हो जाने से क्षेत्र के लोगों को समय के साथ धन की बचत हो रही है,तथा अग्रवाल नर्सिंग होम प्रबंधन की पहल से रहने खाने की दिक्कत नहीं हो रही है।

उन्होंने बताया कि, 16 जून को मस्तिष्क एवं स्पाइन जैसे जटिल रोग का परामर्श शिविर का आयोजन रखा गया है। जिसमे मस्तिष्क एवं स्पाईन रोग विशेषज्ञ डॉ. पंकज शाह(**MBBS, MD,DNB-Neurology**) मस्तिष्क एवं स्पाईन संबंधित सभी प्रकार की समस्याओ का इलाज करेंगे ।

जैसे-असामान्य सिर दर्द,माइग्रेन, चक्कर आना, नस एवं मस्तिष्क की समस्या, मिर्गी एवं स्ट्रोक (लकवा),डिस्क प्रोलैक्स, पार्किसन(संतुलन खोना), ब्रेन हेमरेज,ब्रेन ट्यूमर, कमर का दर्द, झुनझुनी, रीड की हड्डी की समस्या आदि तकलीफ़ों का सफ्ल इलाज व परामर्श के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारी छूट के साथ सी टी स्कैन,एक्स-रे की सुविधा। प्रतिदिन नि:शुल्क डायलिसिस की सुविधा। आईसीयू ड्रूबैक अप के साथ आपातकालीन सेवायें उपलब्ध।

सभी विभाग के आपरेशन, इलाज व परामर्श के लिए अस्पताल प्रबंधन से मिलने वाली अन्य सुविधाओं के लिए अग्रिम पंजीयन अनिवार्य है।

कलेक्टर ने किया शालेय पत्रिका 'प्रयास' का विमोचन

बिलासपुर (समय दर्शन)। कलेक्टर अवनीश शरण ने कोटा ब्लॉक के मझगांव शासकीय उमावि द्वारा प्रकाशित शालेय वार्षिक पत्रिका 'प्रयास' का विमोचन किया। उन्होंने पत्रिका प्रकाशन के लिए स्कूल के प्राचार्य शैलेश पांडे सहित स्कूल प्रबंधन और विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें बधाई दी।

कलेक्टर ने इस मौके पर कहा कि पत्र-पत्रिकाएं विद्यार्थियों की कलात्मक, रचनात्मक एवं सृजनात्मक गतिविधियों को बढ़ाने में सहायक होती हैं। साथ ही छात्रों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना जगा कर उन्हें अनुसंधान हेतु प्रेरित करती हैं! उन्होंने पत्रिका को विद्यालय की वर्ष भर की गतिविधियों का दर्पण बताया। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पत्रिका छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व को और अधिक प्रखर करने में अत्यंत उपयोगी साबित होगी। प्राचार्य शैलेश कुमार पांडेय ने पत्रिका में शामिल विषय सामग्री की जानकारी दी। विमोचन के लिए कलेक्टर के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री आर.ए. कुरुवंशी, यूनिसेफकी जिला सलाहकार श्रीमती रूमाना खान भी उपस्थित थीं।

कलेक्टर ने की निर्माण कार्यो की समीक्षा

बिलासपुर (समय दर्शन)। कलेक्टर अवनीश शरण ने आज मैराथन बैठक लेकर शासकीय भवनों, सड़कों आदि निर्माण कार्यो की विस्तार से समीक्षा की। सभी कार्यो को तय सीमा में पूरी गुणवत्ता के साथ पूरा करने के निर्देश संबंधित निर्माण एजेंसियों को दिए है। जल जीवन मिशन के कामों में धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी जाहिर की। कलेक्टर ने ढिलाई बरतने वाले ठेकेदारों को तलब किया है। उन्होंने निर्माण कार्यो की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश देते हुए कहा है कि इसमें किसी प्रकार की कोताही कतई बर्दाश्त नही की जाएगी। बैठक में लोक निर्माण विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, राष्ट्रीय राजमार्ग, एडीबी, पीएमजीएसवाई और नगरीय निकायों में संचालित निर्माण कार्यो की गहन समीक्षा की गई। कलेक्टर ने नगर निगम को निर्देश दिए कि बारिश के पहले सभी नालों की साफ-सफाई अनिवार्य रूप से कर ली जाए ताकि जल भराव की स्थिति निर्मित नहो। उन्होंने बीटी के चल रहे कामों को जल्द पूरा करने कहा। कलेक्टर ने विभागवार एक-एक प्रगतिरत कार्यो की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यदि जमीन विवाद के कारण किसी कार्य में विलंब हो रहा है तो इसकी जानकारी दे ताकि टीएल बैठक में इसका निराकरण किया जा सके। प्रधानमंत्री जनमन योजना के अंतर्गत पीव्हीटीजी बैगा बहुल इलाकों में बसाहटों को जोड़ने के लिए प्राथमिकता से काम करने कहा हे। कलेक्टर ने कहा कि ईई से लेकर सब इंजीनियर तक सभी लगातार फील्ड का दौरा कर कामों की गुणवत्ता मॉनिटर करें। इसमें लापरवाही बरतने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि विभागों के बीच कही समन्वय में दिक्कत आ रही है तो तत्काल इसकी जानकारी दे ताकि इसका निराकरण किया जा सके।

दुर्ग जिला ब्लड बैंक में विश्व रक्तदाता दिवस का आयोजन

28 सामाजिक संस्थाओं एवं कॉलेज का रक्तदान पर किया गया सम्मान

दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने अपना ओ पॉजीटीव रक्तदान किया

विश्व रक्तदाता दिवस में रक्तदान करने की ली गई शपथ

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी 14 जून 2024 को विश्व रक्तदाता दिवस ब्लड बैंक जिला चिकित्सालय दुर्ग में मनाया गया। इस वर्ष रक्तदाता दिवस का स्लोगन ''20 यीयर्स ऑफगिविंग थैंक यू, ब्लड डोनर्स'' है। कार्यक्रम में रक्तसंग्रहण की सुविधा के लिये एवं रक्त की आपूर्ति निरंतर बनाये

रखने के लिये पात्र रक्तदाताओं द्वारा नियमित रूप से स्वैच्छिक रक्तदान बनाये रखने के महत्व पर जोर दिया गया है, जिससे सुरक्षित ब्लड ट्रांसफ्यूजन सुनिश्चित किया जा सके। स्वैच्छिक रक्तदान की आवश्यकता के बारे में जनजागरूकता पैदा कर रक्तदाताओं के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिये 14 जून 2024 को सभी पी.एच.सी./सी.एच.सी/उप जिला और जिला अस्पतालों और अन्य ब्लड बैंकों में यह आयोजन किया गया। साथ ही रक्तदान के लिये अंग्रेजी या हिंदी भाषा में शपथ ऑन लाईन एवं ऑफ्लाईन दिलाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जे. पी. मेश्राम की अध्यक्षता में 28 स्वैच्छिक रक्तदाताओं / संस्थाओं का अभिनंदन कर मोम्नटों, प्रशस्ति पत्र एवं पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया गया। सम्मानित संस्थाओं में 01 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक की स्थिति में आईसीसीआई फाउडेशन स्कील डेवलपमेंट सेक्टर 06 भिलाई में 548, संत निरकांरी समाज दुर्ग में 419, नव दृष्टि फाउडेशन दुर्ग में 289, दिशा समर्पित समाजिक संस्था दुर्ग में 263, सी.आई.एस.एफ सेक्टर 01, उतई, भिलाई में 62, यंग इंडियनस दुर्ग में 129, अथर्व कॉलेज भिलाई धनोरा जिला दुर्ग में 91, तेरापंथ युवक परिषद जिला दुर्ग में 64, रूंगटा कॉलेज आर-01 दुर्ग में 41, एसीसी सीमेंट जामूल में 62, जे.सी.आई.दुर्ग छ.ग. में 35, जे.के. लक्ष्मी लिमिटेड अहिवारा दुर्ग में 54, श्री अग्रवाल युवा मंडल दुर्ग में 59, जगद्गुरू नरेद्राचार्य महराज जी भक्त सेवा मंडल में 110, शदाणी सेवा मंडल (शदाणी दरबार) में 57, डॉ. सत्येन्द्र राजपूत के यहां 32, परमेश्वरी आश्रम देवागंन समाज दुर्ग में 58, भारतीय बोद्ध महासभा भिलाई दुर्ग में 49, इडियन डेंटल एशोसियशन दुर्ग में 25, सेठ रतनचंद सुराना कालेज दुर्ग में 53, छत्रपति शिवाजी इंस्टीट्यूट चंदखुरी दुर्ग में 32, दैनिक भास्कर ग्रुप दुर्ग भिलाई में 25, दिगम्बर जैन सभा नेहरू नगर भिलाई में 27, महामानव मल्टीपर्पस सोसायटी में 25, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाटन में 41, चर्च ऑफ गॉड सुपेला में 30, लायंस क्लब दुर्ग (ब्लड बैंक में समय समय पर सहयोग एवं दान), श्री दिलीप सिंह ठाकुर (ब्लड बैंक में समय समय पर सहयोग एवं दान), श्री सतीश चंद सुराना, श्री अमर गुप्ता और रेडकास प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य एव जीवनदीप समिति के अजीवन सदस्य रक्तदाताओं ने रक्तदान किया हैं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक- दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय-0771-4218364 ईमेल- samay.darshan191@gmail.com, पंजी. क्र. CHHHIN/2011/41517, डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26